आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्दशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 93 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

06 अक्टूबर 2025 सोमवार

आज का मौसम

29 अधिकतम

24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

■ शाम 4 बजे होगी चुनाव आयोग की प्रेस कान्फ्रेंस

■ छठ के बाद 2 या 3 चरणों में मतदान की संभावना

बिहार में चुनावी बिगुल तारीखों का ऐलान आज!

नईदिल्ली, एजेंसी

बिहार विधानसभा के लिए चुनाव का बिगुल आज बज जाएगा। चुनाव आयोग ने आज शाम 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है और संभावना है कि इसमें चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया जाएगा। यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि चुनाव कितने चरण में खत्म होगा। कयास लगाया जा रहा है कि इसे दो या तीन चरणों में कराया जा सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि चुनाव प्रक्रिया 22 नवंबर से पहले पूरी कर ली जाएगी। बिहार में 243 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को खत्म हो रहा है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक राजनीतिक दलों ने निर्वाचन आयोग से अक्टूबर के अंत में छठ पर्व के तुरंत बाद चुनाव कराने का आग्रह किया है, जिससे ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। त्योहार की वजह से बड़ी संख्या में बाहर काम करने वाले लोग घर लौटते हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनकी टीम ने 4 और 5 अक्टूबर को बिहार का दौरा किया था। इस दौरान सभी राजनीतिक दलों, अधिकारियों और पुलिस विभाग से चर्चा की गई थी।

आयोग ने किए बड़े बदलाव

चुनाव आयोग ने बिहार इलेक्शन से ठीक पहले कई बदलाव भी किए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के अनुसार बिहार विधानसभा चुनाव में एक मतदान केंद्र में 1,200 से अधिक मतदाता नहीं होंगे। आम तौर पर 1,500 या उससे अधिक मतदाता होने पर लंबी लाइन लग जाती थी, अब इसे रोका जा सकेगा। प्रदेश में कुल 90 हजार बूथ रहेंगे। बता दें कि 2020 में बिहार विधानसभा चुनाव तीन चरणों में हुए थे। पहले चरण में 28 अक्टूबर 2020 को 71 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग हुई थी, जबकि दूसरे चरण में 3 नवंबर को 94 सीट और तीसरे चरण में 7 नवंबर को 78 सीटों पर मतदान संपन्न हुआ। वोटों की गिनती10 नवंबर को हुई थी।

महागठबंधन में सीएम चेहरे पर तनातनी, स्थिति साफ नहीं

कांग्रेस सहित राजद और अन्य दलों वाले महागठबंधन में मुख्यमंत्री का चेहरा अभी साफ नहीं है। राष्ट्रीय जनता दल तेजस्वी यादव को आगे कर रहा है। खुद तेजस्वी अपने को महागठबंधन का सीएम फेस बता चुके हैं। वीआईपी और माले ने इसका समर्थन भी किया है, लेकिन कांग्रेस ने कभी भी खुलकर इस पर हामी नहीं भरी। राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री का चेहरा चुनाव जीतने के बाद गठबंधन द्वारा सामूहिक रूप से तय किया जाएगा। इस बार जन सुराज समेत कई दल पहली बार भाग्य आजमाएंगे। इसके अलावा, तेजप्रताप यादव ने राजद से अलग होकर जनशक्ति जनता दल का गठन किया है। चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी भी बिहार में चुनाव लड़ने की तैयारी में है। यूपी में एनडीए के सहयोगी ओम प्रकाश राजभर ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के बिहार में 150 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। आईपी गुप्ता ने इंडियन इंकलाब पार्टी का गठन किया है और वे 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर चुके हैं।

'मुन्ना' भैया यानि नीतीश बाबू जुटा पाएंगे विधानसभा चुनाव लड़ने का साहस?

बीते बीस सालों से बिहार में मुख्यमंत्री का सिंहासन संभाल रहे मुन्ना (निकनेम) यानि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस बार विधानसभा चुनाव लड़ने की हिम्मत जुटाएंगे? क्या एनडीए नीतीश कुमार को आज भी जीत की गारंटी मान रहा है ? या, एनडीए के प्रमुख घटक दल यानि भाजपा नीतीश के नाम पर चुनाव जीतने की रणनीति के बजाए सीधे चुनाव की कमान अपने हाथ में रखना चाहती है।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

ये तमाम सवाल चुनाव की दहलीज पर खड़े बिहार के सियासी फलक से लेकर उसकी जमीन तक तैर रहे हैं। इनके जवाब तो 23 नवंबर के कुछ दिन पहले ही मिलेंगे जब चुनावी नतीजों के बाद वहां के मतदाताओं के जनादेश से असली तस्वीर सामने आएगी। लेकिन नीतीश को पार्टी की बढ़ती चुनौतियों का अहसास है। इसी के चलते उन्होंने 9 ऐलान बिहार के मतदाताओं को लुभाने के लिए किये हैं । यही नहीं, उनके भरोसे जीत को लेकर संशय पालकर बैठे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के लिए केंद्र सरकार से 62 हजार करोड़ की योजनाओं का पांसा फेंका। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जैसे चुनावी प्रबंधक को बिहार चुनाव के लिए एनडीए का प्रभारी बनाया। चुनाव जिताने के उस्ताद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी वहां डेरा डालेंगे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव को लालू के राष्ट्रीय जनता दल के चेहरे यानि तेजस्वी यादव के मुकाबले कांटे से कांटा निकालने की रणनीति के तहत अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है तो मप्र भाजपा के प्रभारी महेंद्र सिंह से लेकर पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा सहित दर्जनों नेताओं को एनडीए के माथे जीत का सेहरा सजाने के लिए झोंका है। कई और राज्यों के भाजपा नेता भी वहां होंगे। वर्ष 2020 का चुनाव उन्होंने एनडीए के बैनर के तले जीता लेकिन उनकी सीटें 43 तक सिमट गईं और लालू की पार्टी 77 सीटें जीतकर नंबर एक बनी और भाजपा भी 53 से बढ़तक 74 तक आ गई। नीतीश राजद से कम सीटों के बावजूद लालू कृपा से महागठबंधन के सीएम बने और तेजस्वी यादव को उन्होंने उपमुख्यमंत्री तथा लालू के बड़े पुत्र तेजप्रताप यादव को मंत्री बना लिया। यह साथ भी ज्यादा नहीं चला। नौ बार बिहार विधानसभा का चुनाव लड़े बगैर विधान परिषद के पिछले दरवाजे से सीएम रहे नीतीश की असली परीक्षा की घड़ी 2025 का चुनाव है। उनकी शारीरिक और मानसिक दशा दुरूस्त नहीं है। लालू- राबड़ी की सरकार जंगलराज के नाम से बदनाम थी तो नीतीश बाबू नौकरशाहों से सहारे चल और पल रहे भ्रष्ट तंत्र को लेकर तंज झेल रहे हैं। सुशासन बाबू का नकाब मिस्टर पल्टूराम में तब्दील हो चुका है। बिहार की क्षेत्रीय राजनीति में तेजी से उभर रहे प्रशांत कुमार अपनी जन सुराज पार्टी के जरिए जंगल राज और नवमी फेल तेजस्वी यादव पर फेलस्वी यादव तथा नीतीश की सेहत से लेकर अफसरशाहों के सहारे चलती सरकार की तोहहमत लगाकर दोनों का विकल्प बनने के मुहाने पर खड़े हैं। यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने बीते तीन सालों में बिहार को अपने पैरों से नापा है। जनता की नब्ज को उन्होंने छुआ है और उनसे जुड़े जमीनी मुद्दों को बखूबी उठा रहे हैं।

पेचीदगी भरा सियासी सफरनामा

अब बात करें 76 साल के नीतीश कुमार की जो बीस साल के मुख्यमंत्रित्वकाल में कभी विधानसभा चुनाव जीतकर सीएम नहीं बने। वे लोकसभा चुनाव तो पांच बार जीते लेकिन विधानसभा चुनावों में दो बार लगातार हारने के के बाद केवल एक बार यानि 1985 में विधायक बने। जनता दल, लोकदल, समता पार्टी और बाद में जनता दल यूनाईटेड नेता के बतौर बैसाखियों के सहारे बीस साल तक बिहार के मुखिया रहे। नालंदा जिले के एक गांव कल्याण बिगहा में 1951 में जन्मे इलेक्ट्रिक इंजीनियर नीतीश ने जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति आदोलन से जुडने के साथ सरकारी नौकरी छोड़ सियासत का पल्लू थामा। लेकिन 1977 और 1980 में हरनौत विधानसभा सीट से लगातार दो चुनाव हारने के बाद वे तीसरी कोशिश में विधायक बन सके। हालांकि 1989 से वे लगातार लोकसभा सीट जीते और केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री से लेकर रेल मंत्री भी रहे। 2004 में वह बाढ़ और नालंदा लोकसभा से चुनाव लड़े लेकिन बाढ़ से हार गए और नालंदा लोकसभा सीट जीत गए। इसके बाद से उन्होंने सीधे चुनाव लडने से तौबा कर ली। समता पार्टी के जेडीयू में विलय के बाद वे बिहार सूबे की सियासत में लौटे। लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी की सरकार के खिलाफ मोर्चा बुलंद करते हुए वह कुछ दिनों के लिए मुख्यमंत्री बने। लेकिन, रामविलास पासवान से मतभेद के चलते वह हफ्ते भर भी सीएम नहीं रह सके। लेकिन 2005 का चुनाव उन्होंने भाजपा और रामविलास पासवान की मदद से ही जीता और सीएम बने। 2010 में भी उनकी पारी जारी रही। लेकिन 2013 में नरेंद्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री प्रोजेक्ट करने के विरोध वालों की जमात में वे शरीक हो गए । मोदी के प्रधानमंत्री बनते ही उन्होंने एनडीए छोड़ा और लालू के साथ हो लिए। 13 मई 2014 को मोदी की बंपर जीत के बाद पार्टी के अंर्तविरोधों के चलते उन्होंने कुछ महीनों के लिए अपनी जगह जीतनराम मांझी को मुख्यमंत्री पद सौंपा। 2015 में अपने धुर विरोधी लालू यादव और कांग्रेस की मदद से सरकार बनाई। भाजपा 54 सीटों पर आ गई लेकिन जेडीयू की सीट भी 115 से घटकर 77 पर आ गई। लेकिन लालू यादव ने नीतीश को ही सीएम बनाया। लेकिन, यह संग ज्यादा दिनों नहीं चला और वह वापस एनडीए के साथ लौट आए।

न्यूज विंडो

छह राज्यों में 48 घंटे तक तूफानी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में मानसून एक बार फिर मेहरबान है। इस बीच मौसम विभाग ने छह और सात अक्टूबर को राजस्थान, दिल्ली, उप्र, मप्र और पश्चिमी बंगाल समेत अन्य राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान तेज रफ्तार से आंधी और तूफान आने की भी संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि जाने से पहले यह मानसून की आखिरी बारिश हो सकती है।

हैदराबाद के डॉक्टर की यूएस में गोली मारकर हत्या

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डलास में एक 27 वर्षीय भारतीय छात्र (डेंटल सर्जरी) की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई है। हैदराबाद निवासी छात्र चंद्रशेखर पोल (डेंटल सर्जरी) अमेरिका के डलास में एक गैस स्टेशन पर काम कर रहे थे, तभी एक अज्ञात बंदूकधारी ने उनकी हत्या कर दी। चंद्रशेखर पोल हैदराबाद में डेंटल सर्जरी में स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद 2023 में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चले गए थे।

तमिलनाडु से लूटा 10 करोड़ का सोना बड़वानी में मिला

बड़वानी, एजेंसी। तमिलनाडु में आंख में मिर्ची डालकर 12 करोड़ का सोना लूटने के दो आरोपी बड़वानी से गिरफ्तार किए गए हैं। दोनों आरोपी राजस्थान के हैं। तमिलनाडु के त्रिची जिले के एसपी एस सेल्वनागरथिनम की सूचना पर बड़वानी जिले के नागलवाड़ी थाना क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई। सेंधवा पुलिस दल ने बालसमुद के समीप एक यात्री बस को रोका और तलाशी ली। उनके पास से करीब दस करोड़ के 9.435 किलो ग्राम सोने के आभूषण और 11 सोने के बिस्किट, 3.05 लाख रुपए कैश, एक देशी पिस्तौल, दो राउंड्स और एक मोबाइल बरामद किया गया। आरोपियों को तमिलनाडु पुलिस को सौंप दिया गया है।

लापरवाही की उधड़ रही परतें, कंपनी ने नहीं दी बैलेंस शीट की जानकारी

जहरीला सिरप बनाने वाली 'श्रीसन' की 16 साल से सालाना मीटिंग तक नहीं हुई

नईदिल्ली, एजेंसी

देश के अलग-अलग हिस्सों में 14 से अधिक बच्चों की जान लेने वाले कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री बंद हो गई है, लेकिन इसे बनाने वाली कंपनी चेन्नई की श्रीसन फार्मास्युटिकल के बारे में चौकाने वाली जानकारियां सामने आ रही है।

मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स की वेबसाइट के मुताबिक इस कंपनी की 16 साल से कोई सालाना मीटिंग तक नहीं हुई थी। कंपनी की आखिरी एजीएम 29 सितंबर 2009 को हुई थी। यह कंपनी स्टॉक मार्केट में लिस्टेड नहीं है। इसने अपनी बैलेंस शीट से जुड़ी जानकारी भी एमसीए को नहीं दी। ये मामले दिखाते हैं कि कंपनी किस कदर लापरवाही कर रही थी।

इधर, मप्र सरकार ने छिंदवाड़ा जिले के परासिया में करीब एक दर्जन बच्चों की मौत के बाद कोल्ड्रिफ सिरप की जांच कराई थी, जिसमें कोल्ड्रिफसिरप में 48.6 प्रतिशत डायएथिलिन ग्लायकॉल की पुष्टि हुई है, जो जहरीला केमिकल है। यह स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है। इसके बाद कफ सिरप को राज्य में बैन कर दिया और इसको जब्त करने छापेमारी की जा रही है। छिंदवाड़ा कलेक्टर हरेंद्र नारायण यादव ने कहा, हमने एसपी से बात की है। जांच से कमियों का पता लगाया जाएगा। निर्माता कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

पीड़ितों से मिले सीएम

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज जबलपुर का प्रस्तावित दौरा निरस्त कर छिंदवाड़ा के परसिया पहुंचे। वे कफ सिरप से पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर रहे हैं। साथ ही प्रशासनिक स्तर पर की गई कार्रवाई की जानकारी लेंगे।

जयपुर के अस्पताल में आग, आईसीयू के मरीजों को मरता छोड़ भागे डॉक्टर

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान के सबसे बड़े अस्पताल सवाई मानसिंह के आईसीयू वार्ड में रात 11.20 बजे लगी आग से 8 लोगों की मौत हो गई। आईसीयू में 11 मरीज भर्ती थे। जिनमें कुछ मरीजों को उनके परिजनों ने अफरा-तफरी के बीच बाहर निकाल लिया था। घटना की जांच के लिए कमेटी गठित की है।

एक मृतक के रिश्तेदार ने बताया कि रात में आईसीयू में धुआं उठता दिखा, तो उन्होंने डॉक्टर्स को इस बात की जानकारी दी। डाक्टरों ने उनकी बात को अनसुना कर दिया और धुआं बढ़ता चला गया। धुआं बढ़ने पर डॉक्टर्स और अन्य स्टाफ ने मरीजों को छोड़ दिया और भागकर कंपाउंड में चले गए। इसके बाद धुआं इतना बढ़ गया कि मरीजों को वहां से हटाना मुश्किल हो गया। फायरकर्मी मौके पर पहुंचे, लेकिन पूरा वार्ड धुएं से भरा था, अंदर जाना नामुमकिन था। आग पर काबू पाने में डेढ़ घंटे लगे, तब तक कई मरीज दम तोड़ चुके थे। ट्रॉमा सेंटर के नोडल ऑफिसर डॉ. अनुराग धाकड़ ने कहा, जहरीली गैस इतनी तेजी से फैली कि स्टॉफ के लिए रहना असंभव था।

आधी रात हुई आठ की मौत, अफरा-तफरी के बीच कई मरीजों को परिजनों ने निकाला

मेट्रो एंकर

प्रधानमंत्री 8 अक्टूबर को करेंगे उद्घाटन, विदेश यात्रा के लिए इमिग्रेशन होगा आसान

तैरते कमल की डिजाइन और पारदर्शी पंखुड़ियां... देश को नई रफ्तार देने के लिए तैयार है नवी मुंबई एयरपोर्ट

मुंबई, एजेंसी

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हवाई यात्रा का अनुभव जल्द ही बदलने वाला है। मुंबई में दूसरा नया एयरपोर्ट यानी नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट 8 अक्टूबर को शुरू हो जाएगा। इसके टर्मिनल को कमल के फूल जैसा आकर दिया गया है। यहाँ अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए आने वाले यात्री अपनी पहली उड़ान के एयरपोर्ट पर ही इमिग्रेशन क्लियर कर पाएंगे। नया एयरपोर्ट हर साल दो करोड़ यात्रियों को संभालने की क्षमता रखेगा। उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे और एक महीने के अंदर कमर्शियल उड़ानें शुरू हो जाएंगी।

अहमदाबाद, सूरत और हैदराबाद जैसे शहरों से मुंबई आने वाले यात्री NMIA पर ही इमिग्रेशन की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। इसके बाद वे अपनी अगली कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ पाएंगे। यह यात्रा को बहुत आसान और सुविधाजनक बना देगा। यह सुविधा दुबई, दोहा, अबू धाबी या सिंगापुर चांगी जैसे बड़े इंटरनेशनल हब जैसी होगी। अधिकारियों ने बताया कि इसमें एक बड़ा अंतर आत्मनिर्भरता का होगा। इसका मतलब है कि ज्यादातर यात्री भारतीय एयरलाइंस से यात्रा करेंगे। दिल्ली में भी इसी तरह का एक मॉडल अपनाया जा रहा है।

पुराने एयरपोर्ट पर दबाव होगा कम

नवी मुंबई एयरपोर्ट खुलने से मुंबई के छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों और उड़ानों का दबाव काफी कम हो जाएगा। यह मुंबई के लिए एक बड़ी राहत होगी। इस समय CSMIA पर काफी दबाव रहता है। एयरपोर्ट पर लैंडिंग की क्लीयरेंस न मिलने के कारण कई विमान हवा में ही चक्कर लगाते रहते हैं। कई बार लैंड होने के बाद भी यात्रियों को हवाई जहाज से निकलने में काफी इंतजार करना पड़ता है। नवी मुंबई एयरपोर्ट के शुरू हो जाने के बाद मुंबई दुनिया के उन चुनिंदा शहरों में शामिल हो जाएगा जहां दो बड़े एयरपोर्ट हैं। ऐसे शहरों में लंदन, न्यूयॉर्क और टोक्यो जैसे नाम शामिल हैं। यह भारत की वैश्विक विमानन स्थिति को बढ़ावा देगा। हालांकि इस मामले में दिल्ली-एनसीआर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जल्दी शुरू होने वाला है। गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से कई शहरों के लिए उड़ान भर रही हैं।

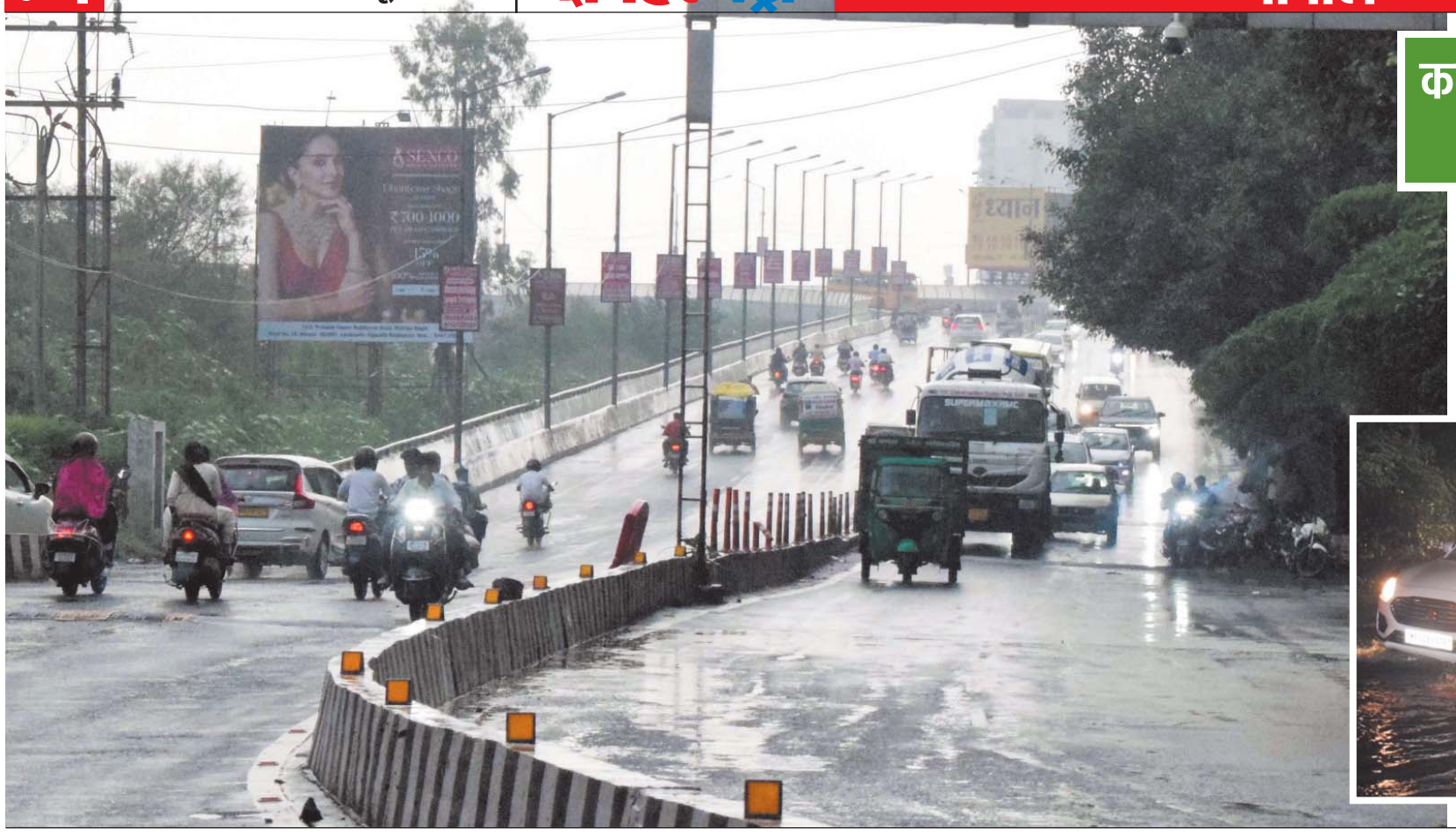

कमजोर होगा बारिश का सिस्टम अगले 3 दिन सिर्फ बूंदाबांदी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। विदाई के बीच प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। रविवार को भोपाल में ढाई इंच पानी गिर गया। मौसम विभाग ने सोमवार को हल्की बारिश होने का अनुमान जताया है। अगले 3 दिन में हल्की बारिश का दौर रहेगा। फिलहाल कहीं भी भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। भोपाल में शाम को तेज बारिश का दौर चला। भोपाल-इंदौर रोड पर इतनी तेज बारिश थी कि गाड़ियां रेंगती हुई चली। बारिश की वजह से भदभदा और कलियासोत डैम के एक-एक गेट रात में ही खोल दिए गए।

सूखी सेवनिया के ओमकारा सेवनिया की सिद्ध नगर कॉलोनी का मामला

गांव के मंदिर में दबंगों का कब्जा, बीजेपी नेता पूजा करने गई तो घसीटकर पीटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी से सटे एक गांव में कुछ लोगों ने एक मंदिर पर कब्जा कर लिया है। जिन लोगों ने कब्जा किया है वह गुर्जर समुदाय के बताए जा रहे हैं। गांव के पंडित को भी पूजा करने पर रोक लगा दी गई है। अब मामला मारपीट का सामने आया है। कुछ दबंगों ने बीजेपी की महिला नेत्री से मारपीट की है। महिला नेता ने इस मामले में थाने में शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने बताया कि वह बीजेपी के बिलखिरिया मंडल की महामंत्री है और उसका नाम सकुन शर्मा है। महिला ने कहा कि जब वह पूजा करने के लिए मंदिर गई तो गुर्जर परिवार ने जमकर पीटा। आरोप है कि भाजपा नेत्री को सड़क पर घसीटा और चांटे मारे।

घटना सूखी सेवनिया के ओमकारा सेवनिया की सिद्ध नगर कॉलोनी की है। सकुन ने पुलिस को बताया है कि वह कॉलोनी के मंदिर में पूजा करने गई थी। इसी दौरान फोन पर किसी से बात कर रही थी, तभी आरोपी वहां पहुंचे और विवाद शुरू कर दिया और मारपीट की। सकुन ने शिकायत में बताया कि कॉलोनी के शिवजी के मंदिर में गुर्जर समाज के लोगों ने कब्जा कर रखा है। यहां रहने वाले बाह्मण समाज के लोगों को मंदिर नहीं जाने दिया जाता। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा कि तीन दिन पहले एक अन्य पंडित परिवार को भी पीटा था। पुलिस ने तीन महिला और तीन पुरुषों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। महिला ने बताया कि मेरे पति कमलेश शर्मा अशोका गार्डन में रहते हैं। बेटा प्राइवेट जॉब करता है और उसका ऑफिस मिसरोद में है। आना जाना दूर पड़ता है, इसलिए उसने वहीं रूम ले रखा है। मैं गांव में अकेली रहती हूं।

पुजारी की भी एंट्री नहीं

महिला ने बताया कि गांव में शिवजी का मंदिर है। यहां पुजारी की भी एंट्री नहीं है। पिछले कुछ समय से गुर्जर समाज के लोग इस मंदिर में बाह्मण समाज के लोगों को पूजा अर्चना नहीं करने देते। यही कारण है कि दोनों समाज के लोगों में आए दिन विवाद होते रहते हैं। मैं पूजा के लिए मंदिर जा रही थी। तभी सामने रहने वाले गुर्जर समाज के एक परिवार ने मुझसे अपशब्द कहे। विरोध करने पर मारपीट की गई।

गांव से भगाना चाहते हैं

उन्होंने कहा कि आरोपी पक्ष के लोग प्रताड़ित कर बाह्मण समाज के लोगों को गांव से भगाना चाहते हैं। मैं राजनीति से जुड़ी हूं, अपने लोगों की आवाज को उठाती हूं इस कारण मुझे टारगेट किया गया है। आरोपियों पर पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई नहीं की है, लिहाजा वे लगातार मुझे धमका रहे हैं। मामले में सूखी सेवनिया थाना पुलिस ने मारपीट के आरोप में तीन महिला और एक पुरुष के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई

तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर 24 घंटे में 30 प्रकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सड़कों पर तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर राजधानी पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। शहर के विभिन्न थानों में तेज आवाज में संगीत बजाने व यातायात में बाधा डालने वाले डीजे के खिलाफ चौबीस घंटे में 30 मामले दर्ज किए गए हैं। इसे एक ही दिन में तेज आवाज में डीजे बजाने के खिलाफ पुलिस की सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है।

गौरतलब है कि दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउड स्पीकर) का उपयोग केवल निर्धारित मानदंडों के अनुसार करने के आदेश जारी किए थे। जानकारी के मुताबिक शहर के करीब 18 थाना क्षेत्रों में डीजे के खिलाफ कार्रवाई की गई। नया और पुराना शहर, दोनों ही जगहों पर पुलिस तेज आवाज में डीजे बजाने और यातायात बाधित करने वाले डीजे वाहनों के खिलाफ सर्तक रही। इस

नए और पुराने शहर के 18 थानों दर्ज हुए मामले, जब्त होकर कोर्ट में होंगे पेश

मामले में अरेरा हिल्स, स्टेशन बजरिया, अशोका गार्डन, टीटी नगर, कमला नगर, रातीबड़, गोविंदपुरा, पिपलानी, तलैया, श्यामला हिल्स, हनुमानगंज, गौतम नगर, कोलार, चूनाभट्टी, निशातपुरा, छोला मंदिर, बैरागढ़ और गांधी नगर थानों में मामले दर्ज किए गए। ज्यादातर केसों में पुलिस ही शिकायतकर्ता बनी और डीजे वाहनों व संचालकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए गए। पुलिस का कहना है कि डीजे वाहन जब्त कर अदालत में पेश किए जाएंगे। जुर्माना वसूलने के बाद वाहनों को छोड़ दिया जाएगा। पुलिस ने कहा कि अगर कोई डीजे वाहन दूसरी बार या उससे अधिक बार नियमों का उल्लंघन करते पकड़ा जाता है तो सजा या जुर्माने की गंभीरता बढ़ जाती है।

अब तक नहीं बन सका क्लीन फूड हब

खाद्य प्रेमियों को साफ-सुथरे माहौल में स्ट्रीट फूड का अब भी है इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

झीलों के शहर को क्लीन स्ट्रीट फूड हब मिलने का सपना अब भी मायावी बना हुआ है। राजधानी क्षेत्र में तय मापदंडों के अनुरूप कोई भी क्लीन स्ट्रीट फूड हब विकसित नहीं हो सका है। दो साल पहले शाहपुरा चौपाटी और 6 नंबर हॉकर्स कॉर्नर को इसके लिए चुना गया था, लेकिन खाद्य सुरक्षा विभाग के मापदंडों पर खरे नहीं उतरने के कारण ये दोनों ही स्थल इस दौड़ से बाहर हो गए थे। अब एमपी नगर के जोन-2 में आदर्श हॉकर्स कॉर्नर बनाया जा रहा है, जो एक साल बाद संभवतः आमजन के लिए खुलेगा।

निगम अपने क्षेत्र में आवश्यकता के अनुसार हॉकर्स कॉर्नर का निर्माण करा रही है। इस संबंध में उचित कदम उठाए जाएंगे। नवाचार का अभाव- बैरागढ़ को ईट राइट स्टेशन के लिए चुना गया और इसका निर्माण कार्य भी पूरा हो गया है, लेकिन योजना के अनुरूप यहां कोई नवाचार नहीं हो सका है और स्टॉल पर अब भी गंदगी देखने को मिलती है। इस कारण इसे अभी तक ईट राइट स्टेशन की सूची में शामिल नहीं किया जा सका है।

ग्रीन बेल्ट का अड़ंगा

शाहपुरा चौपाटी जहां रोजाना 300 से अधिक लोग खाने के लिए पहुंचते हैं। क्लीन स्ट्रीट फूड हब का दर्जा नहीं मिल सका है। क्योंकि यह क्षेत्र ग्रीन बेल्ट में आता है और अधिकतर दुकानें नालों पर बनी हुई हैं। निगम द्वारा इसे फूड हब का दर्जा न दिए जाने के कारण, इसे विकसित करने का कार्य भी अटका चुका है। जबकि अगस्त 2023 में तत्कालीन खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने इस स्थल को क्लीन स्ट्रीट फूड का दर्जा दिलाने के लिए चुना था।

सटे हुए स्टॉल समस्या

6 नंबर हॉकर्स कॉर्नर, जो अपने लजीज स्ट्रीट फूड के लिए मशहूर है और जहां हर शाम स्वाद के दीवानों की भीड़ उमड़ती है। वह भी मापदंडों पर खरा नहीं उतर सका। क्लीन स्ट्रीट फूड हब के लिए जरूरी है कि दो स्टॉल के बीच 4-5 फीट की दूरी हो, जबकि यहां दुकानें आपस में सटी हुई हैं। गंदगी को कम करने के लिए नालों के निर्माण का प्रस्ताव भी बजट न मिलने के कारण ठप पड़ा हुआ है।

आईआरसीटीसी का फूड प्लाजा शुरू

भोपाल. भोपाल रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में रिजर्वेशन और जनरल कोच के यात्रियों को हाईजीन फूड उपलब्ध हो सकेगा। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि पिछले कई दिनों से यह शिकायत मिल रही थी कि स्टेशन पर सरकारी एवं प्राइवेट वेंडर बासा खाना परोस रहे हैं। पिछले सप्ताह औचक निरीक्षण के दौरान कई वेंडर्स के खिलाफ जुर्माना प्रकरण भी तैयार किए गए थे। इसी के मद्देनजर भोपाल रेल मंडल एवं आइआरसीटीसी के संयुक्त उपक्रम में हाइजीन फूड प्लाजा शुरू किया गया है। यहां यात्रियों को कम एवं नियंत्रित दर पर साफ सुथरा भोजन उपलब्ध हो सकेगा। इस फूड प्लाजा में लगभग 40 यात्रियों के लिए आरामदायक बैठक व्यवस्था बनाई गई है।

जीएसटी में कटौती, फिर भी रोटी महंगी, छोटी पैकिंग पर टैक्स घटे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जीएसटी 2.0 में हुए टैक्स बदलाव के बाद आटा, दाल, चावल, मैदा जैसी 25 किलो से कम की छोटी पैकिंग पर टैक्स घटाने की मांग की जा रही है। राजधानी में 40 फीसदी जनता 25 किलो से कम वजन के खाद्यान्न खरीदती है, जिस पर अभी 5 प्रतिशत जीएसटी लगता है, जबकि इसके ऊपर के वजन वाले खाद्यान्न टैक्स फ्री है। केन्द्र सरकार ने जीएसटी 2.0 में जो बदलाव किए हैं, इसमें खाद्यान्न की छोटी पैकिंग (25 किलो से कम) को टैक्स फ्री करने की मांग उठने लगी है।

बाजार के एक्सपर्ट एक मोटे अनुमान के आधार पर बताते हैं कि अधिकांश परिवारों में 1-2-5-10 किलो पैकिंग तक के आटा, दाल-चावल, बेसन, सूजी, मैदा खरीदते हैं। ये घरेलू पैक 5 फीसदी जीएसटी के अधीन है। व्यापार को लेकर आटा-मैदा के रिटेल कारोबारी दीपक पसारी कहते हैं कि हालांकि जीएसटी की दरों के बदलाव के बाद से माल के उठाव में कोई परिवर्तन नहीं आया है। यानी आटा-मैदा सहित अन्य खाद्यान्नों की खपत पूर्व की तरह ही बनी हुई है। बताया जाता है कि बड़ी कंपनियों के 1 से 25 किलो के खाद्यान्न पैक आम व्यक्ति नहीं खरीदता। वह लूज में मिलने वाले खाद्यान्न खरीदता है। कंपनियों के महंगे छोटे पैक मिडिल व हायर क्लास द्वारा क्रय किए जाते हैं ऐसे व्यक्ति 5 फीसदी कर देने में सक्षम है। फिर भी दर शून्य होती है तो सरकार का बड़ा कदम होगा।

फिलहाल इसमें दी है राहत: रेडी-टू-ईट खाद्य उत्पादों जैसे रोटी, प्लेन चपाती, खाखरा, पिज्जा, ब्रेड और पराठा पर लागू जीएसटी दर को शून्य कर दिया है। जानकारी के अनुसार खाद्य वस्तुओं पर तार्किक सुधार का हम स्वागत करते हैं लेकिन खाद्यान्न के 25 किलो से कम वजन वाले खाद्यान्न उत्पादों पर भी टैक्स फ्री करने की सरकार से अपेक्षा रख रहे हैं। नई दरों में आम आदमी को काफी राहत मिली है। यदि आटा, दाल-चावल जैसे खाद्यान्नों की छोटी पैकिंग को टैक्स फ्री कर दिया जाए तो आम जनता को और भी राहत मिल सकती है।

मेट्रो एंकर पर्यावरण संरक्षण: संतरे के छिलके और सड़े गुड़ को मिलकर तैयार किया जाएगा एंजाइम

नवरात्रि में माता को चढ़े नीबुओं से तैयार होगा खास स्प्रे, तालाब-कुंड भी होंगे साफ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नवरात्रि के दौरान शहर में 5000 दुर्गा पंडाल बनाए गए थे। इनमे दुर्गा प्रतिमाओं पर नींबू चढ़ाए गए थे। अब ये नींबू बेकार नहीं जाएंगे। नगर निगम ने अनूठा कदम उठाते हुए इन नींबुओं का उपयोग पर्यावरण संरक्षण के लिए किया है। इन नींबूओं को इकट्ठा कर बायो एंजाइम तैयार किया जाएगा। यह तालाब और कुंडों की सफाई में इस्तेमाल होगा। दरअसल, शहर में 'वेस्ट टू वेल्थ' यानी बेकार चीजों से पैसे कमाने की दिशा में भोपाल में नवाचार किया जा रहा है। इसके लिए दुर्गा पूजा के बाद प्रतिमाओं को चढ़ाए गए नीबूओं को इकट्ठा किया गया है। इसमें अन्य सामग्री मिलाकर एक स्प्रे तैयार होगा।

पंडालों से इकट्ठा हुए 2 टन नींबू

नगर निगम के अफसरों का अनुमान है कि इस नवरात्रि में भोपाल में अलग-अलग दुर्गा जी की

प्रतिमाओं से 2 टन से ज्यादा नींबू इकट्ठा हुए हैं। इन नीबूओं के उपयोग से 10 हजार लीटर स्प्रे तैयार किया जाना है। इस स्प्रे में संतरे के छिलके और सड़े गुड़ को भी मिलाया जाएगा। इसके बाद तालाब-कुंड में डाला जाएगा। इस एंजाइम से पानी साफ और स्वच्छ होगा।

गणेशोत्सव से शुरू हुआ था प्रयोग

गौरतलब है कि पिछले दिनों हुए गणेश उत्सव के दौरान भी बायो एंजाइम बनाने का प्रयोग किया गया था, जो कि सफल रहा था। हालांकि उस समय इतनी अधिक मात्रा में नींबू इकट्ठा नहीं हुए थे। लेकिन अब नवरात्रि के 9 दिनों में करीब 5 हजार पंडाल में निगम की निर्माल्य सामग्री इकट्ठा किया। इनमें से नींबू को अलग कर बायो इंजाइम बनाने की प्रक्रिया शुरू की। शुरूआती 6 दिनों में 2 टन नींबू जमा हुए, लेकिन आखिरी 3 दिन में ही नींबूओं की मात्रा 8 टन से ज्यादा हो गई।

ऐसे बनता है बायो एंजाइम

दुर्गा पंडालों में पूजन सामग्री में से नीबू को अलग इकट्ठा किया जाता है। नीबू को मशीन में डालकर रस निकाला जाता है। इसे केन के अंदर भरा जाता है। यह नींबू, संतरे के छिलकों, सड़े गुड़ और पानी को मिलाकर बनाया जाता है। 10 से 15 दिन में यह तैयार हो जाता है। जिस पानी में प्रदूषण के कारण ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है। वहां पर बायो एंजाइम को मिलाया जाता है। यह पानी को प्राकृतिक तरीके से साफ करता है। बायो इंजाइम एक प्राकृतिक, गैर-विषैले और पर्यावरण के अनुकूल क्लीनर का काम करता है। इसका उपयोग कपड़े धोने के साथ बर्तन और हाथ धोने के लिए भी किया जा सकता है।

सातवीं मंजिल से गिरकर 11वीं कक्षा की छात्रा की संदिग्ध मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित शनि मंदिर के पीछे सागर पर्ल कॉलोनी में सातवीं मंजिल से गिरकर पंद्रह साल की नाबालिग की मौत हो गई। घटना कल रात करीब आठ बजे के आसपास की बताई जा रही है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा गया। पुलिस परिजन से पूछताछ कर रही है। उसने आत्महत्या की या फिर वह हादसे का शिकार हुई पुलिस दोनों ही पहलुओं पर जांच कर रही है। एएसआई छत्रपाल सिंह ने बताया कि आराध्या सक्सेना उर्फअंशिका पिता संत कुमार सक्सेना (15) सागर पर्ल कॉलोनी, नर्मदपुरम सड़क, शनि मंदिर के पीछे अपने चाचा के घर रहती थी। चाचा का मोहल्ले में बुटिक है। मूलतः गांव मुराछ, तहसील पवई जिला पन्ना निवासी आराध्या के पिता खेती किसानी करते हैं। आराध्या यहां चाचा के घर रहकर 11वीं की पढ़ाई कर रही थी। कल रात करीब आठ बजे वह सातवीं मंजिल से नीचे गिर गई। करीब अस्सी फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी रात में ही परिजन को दे दी गई थी। पन्ना से आराध्या के परिजन भोपाल के लिए निकल गए थे। आज सुबह परिजन मर्चुरी पहुंचे। उनकी मौजूदगी में आराध्या का पीएम कराया गया। एएसआई सिंह ने बताया कि परिजन शोकाकुल है और अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है। पुलिस कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक कर रही है।

आत्महत्या या हादसा जांच में जुटी पुलिस

मिसरोद स्थित नर्मदापुरम रोड पर सागर पर्ल कॉलोनी की घटना

संदिग्ध परिस्थितियों में छत से गिरी नाबालिग

पूर्वोत्तर से खुलेगी विकास की राह: सीएम मोहन यादव की असम के सीएम के साथ मीटिंग

भोपाल से गुवाहाटी के बीच सीधी फ्लाइट को लेकर हुआ मंथन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को असम की राजधानी गुवाहाटी में पूर्वोत्तर राज्यों के उद्योग प्रतिनिधियों से व्यापारिक साझेदारी पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि फूड प्रोसेसिंग, पेट्रो केमिकल और नवकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी की संभावनाएं बनी हैं। डॉ. यादव ने कहा कि दोनों राज्य युवाओं, विश्वविद्यालयों और कलाकारों के बीच भी आपसी संबंध मजबूत करेंगे। असम सहित पूर्वोत्तर राज्यों के साथ सीधी बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र और असम में काफी समानताएं हैं। दोनों मिलकर कई सेक्टर में साझेदारी कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र बिजली उत्पादन में तेजी से आगे बढ़ा है। विंड एनर्जी के अलावा जमीन के साथ पानी में भी सोलर प्लांट लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल से असम के बीच सीधी फ्लाइट को लेकर भी कोशिश होगी। मुख्यमंत्री ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा से भी मुलाकात करके आपसी संबंधों पर चर्चा की।

मप्र देश का दिल, असम इकॉनोमिक गेटवे

उद्योग प्रतिनिधियों ने सीएम से चर्चा में मप्र को देश का दिल तो असम को भारत का इकॉनोमिक गेटवे बताया। चेयरमैन जीईआरडी फार्मास्युटिकल्स डॉ. घनश्याम धनुका ने मप्र में फार्मास्युटिकल एवं हाइजीन उत्पाद निर्माण की स्थापना, लोहिया समूह ने प्रदेश में प्लास्टिक्स और पैकेजिंग इकाइयों, असम बंगाल नेविगेशन ने मप्र में नर्मदा, चंबल आदि प्रमुख नदियों पर ईको लॉज तथा बुटीक रिवर क्रूज और टाइगर रिजर्व और संरक्षित क्षेत्रों में सस्टेनेबल हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज के पायलट प्रोजेक्ट्स के प्रस्ताव रखे। ईको-रिजॉर्ट और सस्टेनेबल हॉस्पिटैलिटी, वन्यजीव पर्यटन - जल पर्यटन, सीमेंट प्लांट, ग्राइंडिंग यूनिट और लॉजिस्टिक्स हब, खाद्य प्रसंस्करण आदि पर भी निवेश प्रस्ताव मिले।

कोशिश... मप्र के जंगलों में बाघ-गेंडे दोनों हों

मुख्यमंत्री ने काजीरंगा नेशनल पार्क का दौरा किया। उन्होंने कहा कि यहां हाथी प्रबंधन अच्छा है। हमारे यहां भी 100 के लगभग हाथी हैं। यहां से प्रबंधन सीखेंगे। सीएम ने कहा कि मप्र-असम मिलकर वन्यजीव पर्यटन में एक-दूसरे को समृद्ध करेंगे। कोशिश यह होगी कि मप्र के जंगलों में बाघ के साथ असम के गेंडे भी घूमें फिरें। दोनों राज्य मिलकर इन वन्य जीवों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम असम को गौर, घड़ियाल और मगरमच्छ दे सकते हैं। और असम हमें गेंडा देकर हमारे वनों को समृद्ध कर सकता है।

शक्ति केंद्र बनने की होड़ : हाईकमान की समझाइश और हिदायत भी बेअसर

प्रदेश भाजपा के क्षत्रपों में वर्चस्व की लड़ाई सतह पर आई, सार्वजनिक मंचों पर दिखने लगे मनभेद

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्य प्रदेश में भाजपा के अंदर सबकुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। प्रदेश में एक सत्ता और दो भाजपा की बातें जब-तब सामने आती रहती हैं। लेकिन अब क्षत्रपों में वर्चस्व की लड़ाई सार्वजनिक मंचों से लेकर सड़क पर भी दिखने लगी है। भोपाल से लेकर दिल्ली तक हाईकमान की समझाइश और हिदायत भी बेअसर साबित हो रही है। मध्य प्रदेश में मूल भाजपा, शिवराज भाजपा और महाराज भाजपा के क्षत्रपों की इस खींचतान और वर्चस्व की लड़ाई की जानकारी लोकल से लेकर दिल्ली तक पहुंच चुकी है। कई मौकों पर हाईकमान की समझाइश, हिदायत भी अब बेअसर नजर आ रही है। पार्टी लाइन से हटकर बयानबाजी, एक-दूसरे को नीचा दिखाने के काम, खेमे के द्वारा सड़क पर विरोध हो रहा है। बावजूद इसके अंकुश नहीं लग पा रहा।

एमपी में भाजपा के जिन विधायक और नेताओं ने विवादित अथवा पार्टी लाइन के खिलाफ बयानबाजी की उन्हें तलब कर फटकार भी लगाई। लेकिन कई क्षेत्रों में अंदरूनी खेमेबाजी पर अब तक अंकुश नहीं लग पा रहा। पचमढ़ी ट्रेनिंग कैंप में भी समझाइश दी गई थी। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश सहित अन्य पदाधिकारी बैठकों में ऐसे विषयों पर अपनी बात रख चुके हैं। बावजूद इसके नेताओं के मन की दूरियां कम नहीं हो रहीं।

गोविंद-भूपेंद्र ओपन वार

मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड अंचल में सिंधिया के खासमखास मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और शिवराज के खास पूर्व गृहमंत्री व विधायक भूपेंद्र सिंह के बीच संगठन से सत्ता तक वर्चस्व की लड़ाई जगजाहिर हो चुकी है। एक-दूसरे को नीचा दिखाने का खेल यहां सड़क पर दिखाई दे रहा है। पार्टी से लेकर सार्वजनिक मंच तक बयानबाजी और खेमेबाजी कदम-कदम पर भाजपा की किरकिरी करा रही है। भाजपा संगठन के नेता, पदाधिकारी और समर्थक सभी इसमें कूद चुके हैं। बता दें कि भूपेंद्र सिंह पूर्व में कह भी चुके हैं कि गोविंद राजपूत को वे कभी दिल से स्वीकार नहीं करेंगे।

मूल भाजपा-महाराज भाजपा

ग्वालियर और मालवांचल केंद्रीय मंत्री सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष तोमर के समर्थकों की बयानबाजी हाल ही में सोशल मीडिया की सुर्खियां बनी रही है। ग्वालियर के मुदों पर सिंधिया समर्थक मंत्री सवाल उटा चुके हैं। यहां केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर गुट में तनातनी जगजाहिर हो चुकी है। सिंधिया की सर्वदलीय बैठकों में ग्वालियर सांसद का गायब रहना इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। ग्वालियर में सिंधिया की सक्रियता से तोमर खेमे को खासी परेशानी है। इसे वर्चस्व की जंग के रूप में देखा जा रहा है।

डिप्टी सीएम -विधायक में खटास

प्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला और त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी के बीच सबकुछ ठीकठाक नहीं है। पिछले दिनों सीएम के सार्वजनिक कार्यक्रम में डिप्टी सीएम नदारद थे। शुक्ला की सौजन्यता और कार्यशैली से प्रदेश के दूसरे इलाकों में लोग मुरीद है, लेकिन उनके ही गढ़ में सबकुछ ठीकठाक नहीं है। विधायक सिद्धाथ्र तिवारी और डिप्टी सीएम शुक्ला के खटास भरे संबंध सार्वजनिक मंच पर नजर आने लगे हैं। वहीं सीधी विधायक रीति पाठक भी बीते दिनों शुक्ला के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर कर चुकी हैं।

मध्य भारत-सांसद, मंत्री, विधायकों में ठनी

मध्यभारत क्षेत्र में होशंगाबाद-नरसिंहपुर सांसद दर्शन सिंह और राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के बीच संबंधों की खटास दिल्ली तक गूंज चुकी है। पार्टी हाईकमान भी इस मुद्दे पर दोनों पक्षों को समझाइश दे चुका है। बीते दिनों राजगढ़ जिले के विधायकों ने क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर जानकारी दी थी। इसी प्रकार कुछ विधायकों ने राज्यमंत्री नारायण पंवार की कार्यशैली को लेकर अपनी शिकायत भी दर्ज कराई। हालांकि खिलचीपुर विधायक हजारी लाल दांगी और राजगढ़ विधायक अमर सिंह यादव ने कहा कि हम लोगों ने सीएम से क्षेत्र विकास व समस्याओं को लेकर बात की थी, लेकिन यह मामला सार्वजनिक हो गया कि असली मसला क्या था।

सीएम को घेरने से भी नहीं चूके

उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ और इसके लिए किसानों की भूमि अधिग्रहण को लेकर आलोट से भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय तो सीधे सीएम डॉ. मोहन यादव के खिलाफ खड़े नजर आ रहे थे। उन्होंने पूर्व में विधानसभा में अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया था। बाद में पार्टी आलाकमान ने उनको नोटिस देकर ताकीद किया था। वे सिंहस्थ में जमीनों के लैंडयूज से जुड़े कानूनों में बदलाव और भू-माफिया को फायदा पहुंचाने के आरोप लगा रहे थे। उनका एक वक्तव्य कफन में जेब नहीं होता भी काफी सुर्खियों में रहा था। कहा जाता है कि वे सीएम डॉ. मोहन यादव को टारगेट कर रहे थे।

एमए हिंदी में सिर्फ चार विद्यार्थी

भोपाल के हिंदी विवि के 18 कोर्स में एक भी दाखिला नहीं

भोपाल, दोहपर मेट्रो

सूखी सेवनिया स्थित अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना 2011 में हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी, लेकिन हिंदी में ही विद्यार्थियों की संख्या कम है। सत्र 2025-26 में एमए हिंदी पाठ्यक्रम में सिर्फ चार विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। वहीं, पीजी के नौ, यूजी के दो और सर्टिफिकेट व डिप्लोमा के सात पाठ्यक्रम में शून्य प्रवेश हुए हैं। हालांकि, विवि में सुविधाओं के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च हुए हैं। शिक्षकों के वेतन पर भी लाखों रुपये खर्च हो रहे हैं।

अक्टूबर 2020 में करीब पांच करोड़ रुपये से बने नवनिर्मित भवन में विश्वविद्यालय शिफ्ट हुआ है, लेकिन विद्यार्थियों की संख्या नहीं बढ़ रही है। इस साल विवि में 1800 सीटों पर 174 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। वहीं, 2023 में 13 नियमित शिक्षकों की भर्ती हुई है, जिनका वेतन करीब एक लाख रुपये तक है। साथ ही 22 अतिथि विद्वान पदस्थ हैं, जिन्हें प्रत्येक को करीब 33 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय का भुगतान किया जाता है। विवि में अब नियमित शिक्षकों के साथ दो छात्रावास और विद्यार्थियों के लिए बस सुविधा भी शुरू कर दी गई है। फिर भी विद्यार्थियों की संख्या लगातार घट रही है।

पीजी में 63 व यूजी में 99 छात्रों ने लिया प्रवेश

पीजी के 27 पाठ्यक्रम में 63 और यूजी के 11 पाठ्यक्रम में 99 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। वहीं, 13 सर्टिफिकेट व डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 12 प्रवेश हुए हैं। इस साल 174 सीटों पर प्रवेश हुए हैं। पीजी पाठ्यक्रमों में एमए (अर्थशास्त्र), एमए (इतिहास), एमए (भूगोल), एमएससी (गणित), एमएससी (पर्यावरण), एमएफएससी, एमकाम, एमबीए, गाइडेंस एंड काउंसलिंग में एक भी विद्यार्थी ने प्रवेश नहीं लिया है। वहीं, यूजी में बीए योग और बीएससी (आधारभूत विज्ञान) और सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में पंचकर्म, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, मत्स्य एवं मात्स्यिकी, नाट्यशास्त्र एवं रंगमंच, लोकसंगीत, डीसीए और पीजीडीसीए में एक भी विद्यार्थी ने प्रवेश नहीं लिया है। वहीं, 11 पाठ्यक्रम में सिर्फ एक विद्यार्थी ने प्रवेश लिया है। हिंदी में इंजीनियरिंग राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत आगामी सत्र में विवि में कुछ नए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

अब तक 4.5 लाख फॉर्म किए गए स्वीकृत

नवंबर में मिल सकता है यूथ कांग्रेस का नया अध्यक्ष, प्रक्रिया अंतिम चरण में

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्य प्रदेश यूथ कांग्रेस को नवंबर में नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने की संभावना है। संगठन चुनाव की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। जून-जुलाई 2025 में चले सदस्यता एवं वोटिंग अभियान के बाद जमा हुए करीब 15 लाख ऑनलाइन फॉर्मों की जांच (स्क्रूटनी) का कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

मिली जानकारी के अनुसार, अब तक 4.5 लाख फॉर्म बिना किसी गलती के स्वीकृत किए गए हैं, जबकि 5 लाख फॉर्मों में मामूली त्रुटियां पाई गई हैं। इन त्रुटिपूर्ण फॉर्मों को सुधारने के लिए युवाओं को 10 दिन का समय दिया

जाएगा। संबंधित आवेदकों को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर त्रुटियों की जानकारी भेजी जाएगी, ताकि वे ऑनलाइन संशोधन कर सकें। वहीं, करीब 5.5 लाख फॉर्म स्क्रूटनी के दौरान पूरी तरह से रिजेक्ट किए गए हैं। इनमें से 50 हजार ऐसे फॉर्म थे, जिनमें सदस्यता शुल्क जमा नहीं किया गया था, जिससे उन्हें पहले ही अमान्य कर दिया गया था।

एप के जरिए हुई थी वोटिंग

इंडियन यूथ कांग्रेस (कउ) के मोबाइल एप के माध्यम से 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं ने सदस्यता ली थी। एक सदस्य को 6 पदों के लिए वोट डालने का अधिकार था, जिनमें प्रदेश अध्यक्ष, महासचिव, जिला अध्यक्ष, जिला महासचिव, ब्लॉक व विधानसभा अध्यक्ष शामिल थे। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए 18 और महासचिव पद के लिए 182 उम्मीदवार मैदान में हैं। स्क्रूटनी के बाद शीर्ष तीन प्रत्याशियों को दिल्ली में राष्ट्रीय नेतृत्व के समक्ष इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा, जिसके बाद नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा नवंबर में संभावित है।

मध्यप्रदेश शिक्षक संदर्भ समूह ने किया अभिनंदन

भोपाल। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के सदस्य डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारों के संरक्षण की महती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश के विकास के लिये शिक्षकों का अहम योगदान होता है। शिक्षक के मार्गदर्शन से विद्यार्थी के चरित्र, सोच और भविष्य का निर्माण होता है। मध्यप्रदेश शिक्षक संदर्भ समूह, भोपाल के अभिनंदन समारोह में डॉ. सिंह ने यह बात कही। मानव अधिकार आयोग सदस्य सिंह ने कहा कि प्रदूषित वातावरण में बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार और जीवन मूल्यों के संरक्षण की महती आवश्यकता है, तभी बच्चे जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज में श्रेष्ठ भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का भी उचित सम्मान होना चाहिये। सिंह ने इस अवसर पर मध्यप्रदेश शिक्षक संदर्भ समूह द्वारा प्रकाशित दो दस्तावेजों का विमोचन भी किया।

खाद के लिए भटकते किसानों को मिलेगा तकनीक का सहारा, लांच होगा नया ऐप

भोपाल, दोहपर मेट्रो

हर साल, चाहे रबी का सीजन हो या फिर खरीफ का, ग्वालियर चंबल अंचल में खाद की न केवल किल्लत होती है, बल्कि खाद वितरण में झगड़े भी होते हैं। खाद की समस्या को लेकर क्षेत्र देश भर में चर्चित भी रहता है। यह समस्या इसलिए होती है, क्योंकि कृषि विभाग के पास अभी तक ऐसा कोई सिस्टम नहीं था, जिससे यह पता चलता कि किस किसान के पास कितनी जमीन है और उसे कितनी खाद की जरूरत है, साथ ही वह कितनी बार खाद सोसायटी से ले चुका है।

खाद के लिए बनाया ऐप-

लेकिन इस समस्या का हल जिले के डबरा में पदस्थ कृषि विस्तार अधिकारी विशाल यादव ने निकाला है। उन्होंने स्वयं कोडिंग कर एक वेब ऐप विकसित किया है, जिसमें न केवल किसानों की जमीन का रकबा दर्ज होगा, बल्कि उसे किस खाद की कितनी जरूरत है और और वह कितनी बार खाद ले चुका है, यह भी दर्ज रहेगा। ऐसे में किसान या किसान के रूप में अन्य लोग जरूरत से अधिक खाद नहीं ले पाएंगे। जिससे खाद की किल्लत नहीं होगी और वितरण भी सही तरीके से होगा। यह एप अभी डबरा और भितरवार ब्लाकों में सफलता पूर्वक कार्य कर रहा है। इसे अब ग्वालियर के अन्य ब्लाकों में भी लागू किया जा रहा है। खाद वितरण के लिए इस तरह एप का उपयोग संभवत देश व प्रदेश में ग्वालियर में किया जा रहा है।

इसलिए होती है खाद की किल्लत

अंचल में किसान खेतों में मिट्टी की जांच कराने के बाद जरूरत के हिसाब से खाद नहीं देता, बल्कि एक खेत में बोरी के हिसाब से खाद देता है। अधिक उपज लेने के चक्कर में जरूरत से ज्यादा खाद देने का प्रयास करता है। ऐसे में अधिक जमीन वाले किसानों को ज्यादा खाद की जरूरत होती है तो वे दूसरे किसानों की ऋण पुस्तिकाओं से भी खाद लेते हैं। साथ ही कई किसान दलाल व कालाबाजारियों के टूल भी बन जाते हैं। इसलिए क्षेत्र में खाद की किल्लत होती है।

तीन माह का मिला था समय

काउंसलिंग हो गई शुरू, लेकिन अब तक नहीं हुआ कॉलेजों का निरीक्षण

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्य प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में हाई कोर्ट के निर्देश पर प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होने के बाद भी कलेक्टर अपने जिलों में संस्थानों के निरीक्षण में रुचि नहीं ले रहे हैं। स्थिति यह है कि तीन माह से अधिक का समय मिलने के बाद भी 22 कॉलेजों का निरीक्षण अभी तक पूरा नहीं हो पाया है, जबकि 30 अक्टूबर प्रवेश की अंतिम तारीख है।

बचे कॉलेजों की निरीक्षण रिपोर्ट में मान्यता की अनुशंसा होने पर नर्सिंग काउंसिल ने इन्हें दूसरे चरण की काउंसिलिंग में सम्मिलित करने की तैयारी की है। निर्धारित कैलेंडर के अनुसार 14 जुलाई तक कॉलेजों का निरीक्षण पूरा हो जाना था, जो अभी भी अधूरा है। इस कारण काउंसिलिंग की प्रक्रिया में दो माह से अधिक की देरी हो चुकी है। इसका नुकसान विद्यार्थी और कालेज दोनों को उठाना पड़ा है। आसपास के दूसरे राज्यों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो गई है। प्रदेश में अवसर नहीं मिलने पर विद्यार्थी दूसरे राज्यों में प्रवेश ले सकते थे। इसी तरह से दूसरे राज्यों के विद्यार्थी भी प्रवेश के लिए मध्य प्रदेश में नहीं आ पाए, जिससे यहां के कॉलेजों में सीटें खाली रह जाएंगी। अभी की स्थिति में नर्सिंग डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रम की 28,560 सीटें हैं, लेकिन प्रवेश के लिए पंजीयन मात्र 17,735 अभ्यर्थियों ने ही कराया है।

मेट्रो एंकर केंद्रीय करों में मप्र को चाहिए बड़ी हिस्सेदारी

48 प्रतिशत हिस्सा मांगा, जीएसटी कटौती की होगी भरपाई

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भारत सरकार ने जीएसटी की दरों में कटौती करके आमजन को राहत पहुंचाई है। इससे सरकार को मिलने वाले राजस्व में कमी हो सकती है। हालांकि, सरकार को उम्मीद है कि इसकी भरपाई 16वां वित्त आयोग कर सकता है। मध्य प्रदेश ने केंद्रीय करों में 48 प्रतिशत हिस्सा मांगा है। यदि यह स्वीकार हो जाता है तो फिर जीएसटी कटौती से होने वाली कमी की पूर्ति इस बढ़े हुए हिस्से से काफी हद तक हो जाएगी।

अप्रैल 2026 से नए वित्त आयोग की सिफारिशें लागू होने की संभावना है, जो पांच साल के लिए होंगी। प्रदेश सरकार ने जो प्रारंभिक अनुमान लगाया है, उसके अनुसार जीएसटी की नई दरों से लगभग 8,600 करोड़ रुपये का राजस्व प्रभावित हो सकता है। इसकी पूर्ति के लिए वित्त विभाग मंथन कर रहा है। उन खर्चों को

चिह्नित किया जा रहा है, जिनमें कटौती की जा सकती है। इसमें नए कार्यालय भवन, नए वाहन सहित वे व्यय शामिल हैं, जिन्हें आगे बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन पर भी फोकस किया जा रहा है ताकि आर्थिक गतिविधियां बढ़ें।

केंद्रीय करों में 48 प्रतिशत हिस्सा मांगा

वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश का बजट का मुख्य आधार केंद्रीय करों में हिस्सा और सहायता अनुदान होता है। वर्ष 2025-26 में केंद्रीय करों के हिस्से में 1,11,662 करोड़ रुपये और केंद्रीय सहायता अनुदान 48,661 करोड़ रुपये अनुमानित है। इस प्रकार प्रदेश की कुल राजस्व प्राप्ति में केंद्रीय करों का हिस्सा और सहायता अनुदान 43 प्रतिशत के आसपास होता है। यह जीएसटी की नई दरों से प्रभावित हो सकता है। चूंकि, जीएसटी क्षतिपूर्ति अब मिलना बंद हो गई है, इसलिए पूरी उम्मीद 16 वित्त आयोग से है।

सरकार ने आयोग से केंद्रीय करों में 48 प्रतिशत हिस्सा मांगा है। यदि यह मिल जाता है तो राज्य को होने वाली क्षति के बड़े हिस्से की पूर्ति हो जाएगी। करों में वृद्धि का आधार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कृषि, बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, वन, पर्यटन, शहरी विकास और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में हो रहे तेजी से विकास को बताया है।

डबल इंजन की सरकार से उम्मीद

वित्त विभाग के सूत्रों का कहना है कि डबल इंजन की सरकार होने का लाभ प्रदेश को मिल सकता है। केंद्रीय करों के हिस्से में पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2025-26 में 15,908 करोड़ रुपये अधिक मिलना अनुमानित है। सहायता अनुदान में भी वृद्धि प्रस्तावित है तो केंद्र सरकार का राजस्व बढ़ने से 2024-25 के पुनरीक्षित अनुमान में प्रदेश को केंद्रीय करों के हिस्से में 5,247 करोड़ रुपये अतिरिक्त मिले हैं।

मशीनें तो आएंगी, पर इंसान भी रहेंगे

क्या मशीनें इंसानों की जगह ले लेंगी? आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की तेज तरक्की के बाद यह सवाल और भी गंभीर हो उठा है। ऐसे वक्त में वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह का बयान मशीनों को लेकर फैले डर को कम करने वाला है।

इंसानों की भूमिका: टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क ने कुछ दिनों पहले ट्वीट किया था कि युद्ध का भविष्य ड्रोन हैं, इंसानों द्वारा संचालित एयरक्राफ्ट नहीं । वायु सेना प्रमुख ने इसी ट्वीट पर साफ किया कि इंसानों की भूमिका बनी रहने वाली है। मानवरहित सिस्टम डिवेलप होंगे, उनका उपयोग बढ़ेगा, लेकिन वे खुद से काम नहीं कर सकते। उनको चलाएगा कोई इंसान ही।

मैन्ड प्रॉजेक्ट: दुनिया के कई देशों में छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों पर काम चल रहा है। ब्रिटेन, इटली और जापान मिलकर ग्लोबल कॉम्बैट एयर प्रोग्राम में लगे हुए हैं। वहीं अमेरिका ने NGAD लॉन्च किया है। चीन के बारे में भी चर्चा है कि वह Chengdu J-36 डिवेलप कर रहा है। और ये सारे प्रॉजेक्ट मैन्ड हैं।

साझेदारी का कमाल: कोई भी युद्ध बेहतर तालमेल और साझेदारी से जीता जाता है- फिर भले ही वह इंसानों और मशीनों के बीच क्यों न हो। भारत समेत कई देशों में अनमैन्ड कॉम्बैट एरियल वीकल या ड्रोन पर प्रॉजेक्ट चल रहे हैं। इनको लड़ाकू विमानों के साथ टीम में काम करने के लिए ही तैयार किया जा रहा।

ड्रोन का इस्तेमाल: रूस- यूक्रेन युद्ध में ड्रोन की भूमिका दिखी। इसी तरह, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान टकराव में भी ड्रोन अहम भूमिका में रहे। लेकिन, दोनों जगह ड्रोन्स ने तभी बेहतर परिणाम दिया, जब उनका इस्तेमाल सही ढंग से हुआ।

पाकिस्तान को जवाब: वायु सेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को भी दोहराया। हालांकि सेना और सरकार की तरफ से पहले भी देश को जानकारी दी जा चुकी है, लेकिन एयरफोर्स चीफ के बयान की जरूरत इसलिए थी क्योंकि पाकिस्तान की तरफ से लगातार झूठ फैलाया जा रहा है। यहां तक कि पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने इसके लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच तक का इस्तेमाल किया। कोरे दावे संघर्ष में हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर सकते। भारतीय सेना ने तो सबूत सामने रख दिए, पाकिस्तान के पास अगर कुछ है, तो दिखाना चाहिए, वरना झूठे नैरेटिव से उसे ही घाटा होगा।

परदेस में बदनाम करते नेता और रोशन करते असली हिंदुस्तानी

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस बार भी कोलंबिया और अन्य लैटिन अमेरिकी देशों की विदेश यात्राओं के दौरान में भारत के लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था को लेकर कई गंभीर अनर्गल बयान दिए। उन्होंने दावा किया कि भारत का लोकतंत्र खत्म हो गया है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दबाई जा रही है, और अर्थव्यवस्था संकट में है, लेकिन कोई भी आंकड़ों और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टों को देखें, तो वास्तविकता पूरी तरह उनसे भिन्न नज़र आ सकती है।

राहुल गांधी ने विदेश मंचों पर आरोप लगाए किभारत में आज़ादी की आवाज़ दबाई जा रही है, विपक्षी आवाज़ों को प्रताड़ित किया जा रहा है, और संस्थागत आज़ादी खतरे में है। उन्होंने यह दावा किया कि आज भारत की अर्थव्यवस्था में निवेश कम हो गया है, बेरोजगारी बढ़ रही है, और महंगाई नियंत्रण से बाहर है। उनका यहआरोप है कि सरकार आर्थिक और सामाजिक असमानता को बढ़ा रही है, नीतियाँ केवल कुछ वर्गों को लाभ पहुँचाती हैं।विदेशों में वह यह कहते हैं कि भारत एक अधिनायकवादी स्वीकार्यता की ओर बढ़ रहा है, और प्रधानमंत्री मोदी की सरकार लोकतंत्र को क्षीण कर रही है।इन आरोपों को यदि गंभीरता से लिया जाए, तो उनका निहितार्थ केवल राजनीतिक लाभ लेना और भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को कमजोर करना है।

दूसरी तरफ भारत के प्रवासी भारतीय न केवल विदेशों में अपनी मेहनत, प्रतिभा और नवाचार से विकसित देशों की प्रगति में योगदान दे रहे हैं, बल्कि भारत की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक छवि को भी मज़बूती प्रदान कर रहे हैं। विश्व के कोने-कोने में बसे भारतीय आज विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहे हैं। तकनीक, उद्योग, वित्त, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीति–हर क्षेत्र में प्रवासी भारतीयों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि उन्हें भारत की सॉफ्ट पावर का सबसे प्रभावशाली प्रतिनिधि माना जाता है। प्रवासी भारतीयों की संख्या लगभग 3.5 करोड़ मानी जाती है, जो अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, मध्य पूर्व और यूरोप जैसे देशों में फैले हुए हैं। उनकी मेहनत ने विकसित देशों को आर्थिक मजबूती दी है और भारत को गर्व व पहचान।

वास्तविकता यह है कि भारत का संविधान आज भी देश की सर्वोच्च शक्ति है, जो न्यायालय, चुनाव आयोग, निर्वाचन अधिकारियों और स्वतंत्र मीडिया जैसे स्तंभों को मान्यता देता है। देश में लगातार चुनाव हो रहे हैं। कई राज्यों में गैर भाजपा सरकारें हैं और वे केंद्र की मोदी सरकार से विभिन्न मुद्दों पर टकरा रही हैं। यदि लोकतंत्र वास्तव में कमजोर हुआ होता, तो ये संस्थाएँ खुली आलोचना और वैधानिक पुनरावलोकन से बच नहीं पातीं। मीडिया आज भी भारत में सरकार की आलोचना कर सकती है– नकारात्मक रिपोर्ट, विरोधी स्टैंड, जन-आंदोलनों की रिपोर्टिंग आज भी समाचार पत्रों एवं डिजिटल मीडिया में होती है। यदि लोकतंत्र कमजोर हुआ होता, तो ऐसे मीडिया पर पूरी तरह अंकुश लगा दिया जाता।

सरकार या भाजपा के दावे नहीं ,अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने जुलाई 2025 की अपनी रिपोर्ट में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.4% रहने का अनुमान लगाया 7 रिपोर्ट के

अनुसार भारत 2025 और 2026 दोनों वर्षों में 6.4% की वृद्धि दर दर्ज कर सकता है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि 2022 से 2024 के बीच भारत की औसत वास्तविक जी डी पी वृद्धि

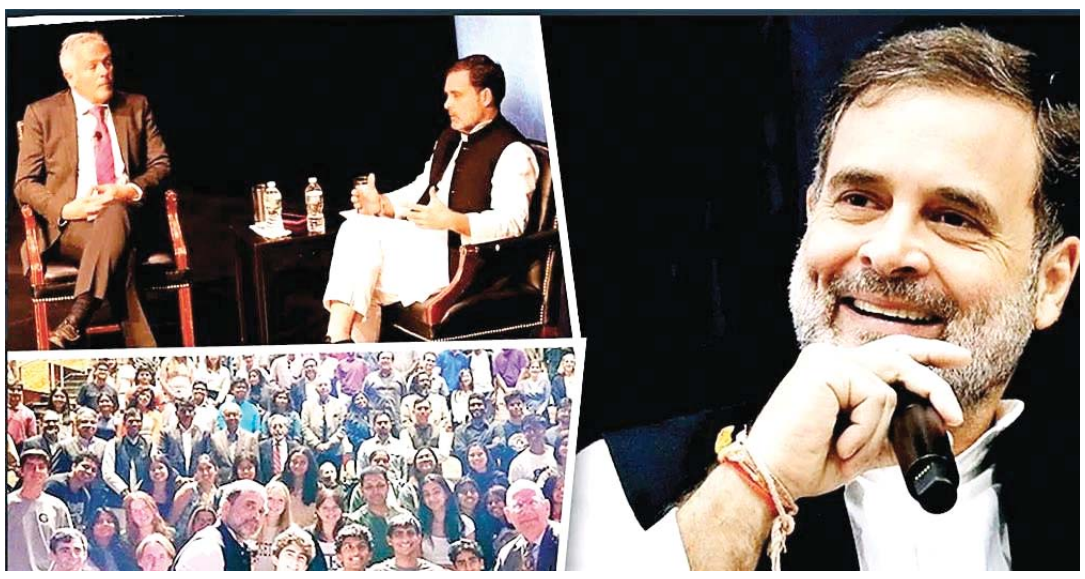

8.8% थी, जो एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में सबसे अधिक है।भारत को वैश्विक व्यापार तनाव, अमेरिकी टैरिफ वृद्धि और निवेश अस्थिरता जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका ने अगस्त 2025 से भारत से आयात पर 50% तक शुल्क लगा दिया। लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था ने इन बाहरी झटकों को अनुकूल परिस्थिति में समाहित किया है–अंदरूनी खपत और निवेश की मजबूती ने स्थिरता बनाए रखी।

अमेरिका की तकनीकी और आर्थिक प्रगति में भारतीय मूल के लोगों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। सिलिकॉन वैली की लगभग 30% स्टार्टअप कंपनियों की स्थापना भारतीय मूल के उद्यमियों ने की है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला, एडोबी के शांतनु नारायण जैसे नेता यह प्रमाणित करते हैं कि भारतीय प्रतिभा ने अमेरिका को नई दिशा दी है। भारतीय डॉक्टरों, इंजीनियरों और प्रोफेसरों ने अमेरिका की स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणाली को मज़बूती प्रदान की है। अमेरिका या यूरोप में नीतियां बदलने पर कई बड़े उद्यमी और युवा लोग भारत वापस आकर अपना उद्यम शुरु कर रहे हैं। लक्ष्मी मित्तल जैसे सम्पन्नतम उद्यमी ने दिल्ली में अपने लिए महंगा बंगला तक खरीद लिया है।

भारत सरकार भी प्रवासी भारतीयों के योगदान को पहचान रही है। रकार न केवल उनके सम्मान को बढ़ावा देती है, बल्कि भारत में निवेश और नवाचार की संभावनाओं को भी प्रोत्साहन देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बार कहा है कि प्रवासी भारतीय भारत के राष्ट्रीय दूत हैं। भविष्य में एनआरआई भारत की आर्थिक वृद्धि, तकनीकी विकास और वैश्विक छवि निर्माण में और बड़ी भूमिका निभाएंगे। स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं में प्रवासी भारतीय पूंजी और अनुभव दोनों प्रदान कर सकते हैं। ब्रिटेन में भारतीय मूल के लोग राजनीति और व्यवसाय दोनों में शीर्ष स्थान पर हैं। ऋषि सुनक का एक बार ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनना न केवल वहां की राजनीति में भारतीयों की स्वीकृति को दर्शाता है, बल्कि विश्व पटल पर भारतीय मूल की क्षमताओं की पहचान को भी मजबूत करता है। लंदन में बसे बड़े भारतीय कारोबारी समूहों ने ब्रिटिश अर्थव्यवस्था में भारी निवेश किया है। कनाडा की संसद में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के सांसद हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया में आईटी और शिक्षा क्षेत्र में भारतीय युवाओं का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। खाड़ी देशों की निर्माण और सेवाक्षेत्र की अर्थव्यवस्था में भारतीय कामगारों और उद्यमियों की मेहनत का गहरा असर है। दुबई और अबूधाबी जैसे शहरों के विकास में भारतीय इंजीनियरों, आर्किटेक्ट्स और उद्यमियों का योगदान ऐतिहासिक माना जाता है। भारतीय आद्योगिक समूह टाटा, अम्बानी, अडानी न केवल एशिया में वरन अन्य यूरोपीय , अमेरिका , अफ्रीका में पूंजी लगाकर अपनी उपस्थिति की साख बढ़ा रहे हैं।

प्रवासी भारतीय केवल विदेशों में नाम रोशन नहीं कर रहे, बल्कि भारत में भी बड़े पैमाने पर निवेश कर देश की अर्थव्यवस्था को गति दे रहे हैं। एनआरआई द्वारा भारत में हर साल अरबों डॉलर का रिमिटेंस (विदेश से भेजी गई धनराशि) आता है, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का विकास होता है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया में सबसे अधिक रिमिटेंस पाने वाला देश है। इसके अलावा, प्रवासी भारतीय भारत में स्टार्टअप, रियल एस्टेट, ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में निवेश कर रहे हैं। इससे रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं और भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर अग्रणी बन रहा है।

हिंदुजा समूह विश्व के सबसे बड़े और प्रभावशाली कारोबारी समूहों में से एक है। इनका कारोबार वित्त, ऑटोमोबाइल, ऊर्जा, आईटी, स्वास्थ्य और रियल एस्टेट जैसे कई क्षेत्रों में फैला हुआ है। हिंदुजा बंधुओं की कुल संपत्ति सैकड़ों अरब डॉलर में आंकी जाती है। भारत में उन्होंने बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य और शिक्षा में बड़े पैमाने पर निवेश कर देश की छवि को मजबूत किया है।स्टील के बादशाह कहे जाने वाले लक्ष्मी मित्तल दुनिया के सबसे बड़े स्टील निर्माता आर्सेलर मित्तल के अध्यक्ष हैं। उन्होंने यूरोप और अमेरिका में स्टील उद्योग को नई ऊंचाई दी। भारत में भी मित्तल ने ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में निवेश किया। उनकी अंतरराष्ट्रीय पहचान ने भारत की औद्योगिक छवि को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दी। यद्यपि अंबानी और अदानी एनआरआई नहीं हैं, लेकिन उनके कारोबारी साम्राज्य में प्रवासी भारतीयों के बड़े निवेश हैं। अरब देशों और यूरोप में बसे भारतीय निवेशकों ने इन समूहों के प्रोजेक्ट्स में पूंजी लगाई है। भारत की आईटी क्रांति में प्रवासी भारतीयों ने न केवल निवेश किया बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत को ब्रांड बनाया। अमेरिका और यूरोप में बसे भारतीय आईटी पेशेवरों की मेहनत ने भारत को विश्व की आईटी हब का दर्जा दिलाया।

प्रवासी भारतीयों ने भारत की पहचान को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और कूटनीतिक स्तर पर भी मजबूत किया है। वे भारत की संस्कृति, योग, आयुर्वेद और अध्यात्म को विश्व के कोने-कोने में पहुंचा रहे हैं। भारतीय त्योहार–दीवाली, होली, गणेशोत्सव , दुर्गा पूजा आज अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में धूमधाम से मनाए जाते हैं। विश्व राजनीति में भारतीय मूल के नेताओं का उदय भी भारत की छवि को मजबूत कर रहा है। चाहे वह अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस हों, या कनाडा की संसद में बैठे भारतीय सांसद–सभी भारत की साख बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

भारत को पीओके की पुकार: पाक के अत्याचारों से मुक्ति की चाह

दिलीप कुमार पाठक
पत्रकार

धर्म के नाम पर पाकिस्तान की स्थापना हुई थी, यही कारण है कि आजतक पाकिस्तान राजनीतिक रूप से स्थायी नहीं है, कोई न कोई बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम होता ही रहता है। बांग्लादेश, अफ़गानिस्तान के अलगाव के बाद पीओके यानि पाक अधिकृत कश्मीर में हमेशा पाकिस्तान से अलग होने की आवाजें बुलन्द होती रहती हैं। अभी कुछ महीनों पहले अपनी आवाज़ दुनिया तक पहुंचाने के लिए वहाँ के विद्रोही लोगों ने ट्रेन हाईजैक कर लिया था, खासी मुठभेड़ के बाद पाकिस्तान की सेना ने वहाँ की विरोधी आवाजों का दमन कर दिया था। पाकिस्तानी सेना ने अब तब पीओके पर दमनपूर्वक जबरन कब्जा कर रखा है, अन्यथा वहाँ कई बार भारत में विलय एवं जनमत संग्रह की मांगें उठती रहती हैं। अब देखना यह है कि पाकिस्तानी सेना कब तक इन आवाजों को दबा पाती है। अभी हाल फ़िलहाल पीओके में विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से बिजली संकट, महंगे बिल, इंटरनेट ब्लैकआउट, मानवाधिकार उल्लंघन, और आर्थिक उपेक्षा के खिलाफ शुरू हुआ है। जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी इन प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही है। पाकिस्तानी नेतृत्व पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जनता की बुनियादी जरूरतों को भी पूरा करने में फेल साबित हो रहा है। पाक अधिकृत कश्मीर में स्थानीय लोगों के प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तानी सेना का अत्याचार अब संयुक्त राष्ट्र तक तक पहुंच गया है। वैसे भी पीओके पर जुल्म इतना बढ़ गया है कि वहाँ की चीखें पूरी दुनिया में सुनाई देने लगी हैं, वो तो भारत सरकार की नीतियों की विफलता है अन्यथा अब तक पीओके भारत का हिस्सा

बन चुका होता। देश ज़मीन के टुकड़ों पर नहीं बनता बल्कि देश में रहने वाले लोगों के कारण देश बनता है, जहां पाकिस्तान मानवीय मूल्यों को ताक पर रखकर ज़बरदस्ती लोगों पर राज करना चाहता है, हालांकि अब बड़ा कठिन सा प्रतीत हो रहा है। पीओके के राजनीति दलों ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से मांग की है कि UN तुरंत यहां दखल दे और यहां की जनता को पाकिस्तानी सेना के अत्याचार से बचाए। 29 सितंबर से चल रहे नागरिकों के प्रदर्शन में अब तक 12 लोग मारे जा चुके हैं। एक जान की भी कीमत होती है, पाकिस्तान की सेना को इसका खामियाज़ा ज़रूर भुगतना होगा।

स्विटजरलैंड के जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद 60वें सेशन के दौरान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की पार्टी (UKPNP-यूनाइटेड कश्मीर पीपुल नेशनल पार्टी) ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान को कश्मीरियों को मारने, हमारी जमीन और हमारे संसाधनों पर कब्जा करने, हमारे लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें खत्म करने का कोई हक नहीं है। पीओके के स्थानीय नेता इस मुद्दे को पूरी दुनिया के सामने लेकर आए हैं, हालांकि उन्होंने कितना शोषण, दमन झेला है, इसकी कल्पना करना भी असहनीय पीड़ा को सहन करने जैसा है। UKPNP के प्रवक्ता सरदार नासिर अजीज खान ने जिनेवा में कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर में कई लोग गायब हो गए हैं, परंतु हाल ही में कश्मीर में जो हो रहा है, उससे लोग अपनी जान को लेकर चिंतित हैं क्योंकि 29 सितंबर से अब तक 12 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। नासिर ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान यहां के लोगों पर क्रूर बल प्रयोग कर रहा है और प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलियां चला रहा है जिससे लोग मारे जा रहे हैं। सैकड़ों लोग जेल में हैं और उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में इस अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के जमावड़े के माध्यम से हम आग्रह करते हैं कि संयुक्त राष्ट्र उन कश्मीरियों की जान बचाने के लिए हस्तक्षेप करे जो पाकिस्तानी कब्जे में रह रहे हैं। कश्मीरियों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने इस्लामाबाद प्रेस क्लब में इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस के एक्शन की निंदा की। पीओके पर पाक सेना को कश्मीरियों को मारने, जमीन और संसाधनों पर कब्जा करने और उन लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें खत्म करने का कोई हक नहीं है। निरन्तर विरोधी आवाजें गूँज रही हैं। 2 अक्टूबर 2025 पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी के सदस्य इस्लामाबाद प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे इस दौरान पुलिस प्रेस क्लब में घुस गई, पुलिस ने प्रदर्शन बल पूर्वक कुचलने के लिए क्लब के अंदर घुसकर पत्रकारों और स्टाफ पर लाठीचार्ज किया, कैफेटेरिया को तोड़ा-फोड़ा, कैमरे और मोबाइल फोन तोड़े और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया। वीडियो फुटेज में पुलिस को पत्रकारों को घसीटते और पीटते हुए दिखाया गया है। यह घटना PoK में चल रहे पांचवें दिन के विरोध प्रदर्शनों के बीच हुई, जहां बाजार बंद हैं और इंटरनेट कटा हुआ है। इस मुद्दे पर भारत को दख़ल देते हुए पाकिस्तान को कड़ा संदेश देना चाहिए कि पीओके पर जुल्म खत्म हो, भारत सरकार को बांग्लादेश की तरह इसका हल निकालना होगा, पूरी दुनिया पीओके की स्थिति से वाकिफ़ है, हालांकि यूएनओ कुछ नहीं कर पाएगा, अब तो भारत को ही इसका हल निकालना होगा। पीओके की जनता भारत के साथ विलय चाहती है। पाकिस्तान को सबक सिखाने का भरपूर मौका है, जो भारत को गंवाना नहीं चाहिए।

सुविचार

प्यार करने से कभी हार नहीं होती। खुद को रोककर रखने से हमेशा हार होती है।

–अज्ञात

निशाना

फुटपाथ यानि फुट है न पाथ..!

विनोद कुमार शर्मा

फुटपाथ तो थे चलने को
राहगीरों के लिए
चलते थे वे सुरक्षित जिनके संग ,
अब तो यह रह गये है बस नाम के
अतिक्रमण का इन पे चढ़ा
है अजब रंग,
रेहड़ी पटरी वालों का हर
तरफ है कब्जा
बिखरा दुकानों का सामान
हर ओर ।
पैदल चलने को जगह नहीं
अजब मजबूरी का
आलम यह दौर,
सरकारी जमीनों पर कब्जे कर
मिटा रहे जंगल और पहाड़,
ग्रीन बेल्ट हुए खत्म भू
माफिया रहे दहाड़,
आम नागरिकों की है पुकार
प्रशासन से है एक आस ,
जमीनों से हटें अवैध कब्जे
ऐसा है विश्वास,
अंधे राजनेताओं को बहरे
नौकरशाहों का साथ है
फुटपाथ का मतलब आज
फुट है न पाथ है।

हेल्थ अपडेट

हर साल असुरक्षित अबॉर्शन से मरती हैं 42 लाख महिलाएं, सही सलाह बचाएगी जान

कई बार ऐसे हालात बनते हैं कि कुछ महिलाओं की अनचाही प्रेग्नेंसी हो जाती है। ऐसे में वे उसे समाप्त करने के लिए कई तरीके अपनाती हैं। हालांकि, कई बार वे असुरक्षित तरीके भी चुन लेती हैं, जो कुछ मामलों में उनकी जिंदगी के लिए खतरा बन सकते हैं। इस मामले में आदेश मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की गायनेकोलॉजिस्ट, प्रोफेसर और हेड ऑफ डिपार्टमेंट (ObG) M.S Obs, डॉ. सतवंत कौर बताती हैं कि हर साल दुनिया भर में लगभग 12.1 करोड़ महिलाएं अनचाही गर्भ का सामना करती हैं।

अनसेफ अर्बाशन खतरनाक: यूएनएफपीए रिपोर्ट कहती है कि दुनिया भर में 121 मिलियन यानी कि 12 करोड़ 10 लाख महिलाओं में से करीब 5 से 13 फीसदी यानी कि करीब 42 लाख औरतों की मौत अनचाही प्रेग्नेंसी को समाप्त करने के असुरक्षित तरीकों के कारण होती है। वे कहती हैं इसीलिए यह बेहद जरूरी है कि प्रभावी गर्भनिरोधक तरीकों को महिलाओं में बढ़ावा दिया जाए, जिससे इस तरह के हालातों से बचा जा सके।

हो सकती है प्रीमैच्योर डिलीवरी: एक्सपर्ट के अनुसार, अनचाही प्रेग्नेंसी का असर बच्चे पर भी पड़ता है। इसके कारण शिशु का जन्म के वक्त कम वजन हो सकता है या फिर समय से पहले यानी प्रीमैच्योर डिलीवरी हो सकती है।

फिजिकल और मेंटल हेल्थ: अनचाही प्रेग्नेंसी महिलाओं के लिए न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक चुनौतियां भी लेकर आती है। कई बार यह स्थिति इतनी जटिल हो जाती है कि गर्ल्स स्कूल- कॉलेज छोड़ देती हैं या फिर नौकरी भी छोड़नी पड़ती है। इससे उनकी पढ़ाई और करियर पर असर पड़ता है। इस तरह, अनचाही प्रेग्नेंसी सिर्फ स्वास्थ्य नहीं बल्कि महिलाओं की पूरी जिंदगी पर असर डाल सकती है।

न्यू टेक्नो लॉन्च

आ गई हेल्थ-फोकस्ड स्मार्टवॉच, ब्लड प्रेशर नापने के अलावा कई शानदार फीचर्स मौजूद

Huawei ने अपनी स्मार्टवॉच Huawei D2 में ब्लड प्रेशर मशीन को फिट कर दिया है। इस घड़ी के स्ट्रैप में ऐसा सिस्टम दिया गया है, जिसकी मदद से यह एक ब्लड प्रेशर मापने वाली मेडिकल ग्रेड मशीन की तरह ही आपका ब्लड प्रेशर माप पाएगी। कंपनी ने भारत में इसे लॉन्च कर दिया है। यह एक खास हेल्थ-फोकस्ड स्मार्टवॉच है जिसमें 1.82 इंच का AMOLED डिस्प्ले दिया गया है।

इस स्मार्टवॉच की सबसे बड़ी खासियत है कि यह ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग कर सकती है। यह एक ऐसा अनोखा फीचर है, जो कि आमतौर पर स्मार्टवॉच में नहीं मिलता। बता दें कि इस वॉच में ब्लूटूथ कॉलिंग सपोर्ट भी मिलता है। Huawei Watch D2 में ECG, स्किन टेम्प्रेचर सेंसर भी दिए गए हैं। इसके अलावा इस वॉच में SpO2 यानी ब्लड ऑक्सीजन लेवल और हार्ट रेट सेंसर भी दिए गए हैं। यही वजह है कि यह वॉच फिटनेस के शौकीनों लोगों के लिए बेहद खास है। यह स्मार्टवॉच 80 से ज्यादा वर्कआउट मोड सपोर्ट करती है।

भारत में कीमत 39499 रु. : भारत में Huawei Watch D2 की कीमत 34,499 रुपये रखी गई है। इसे Amazon, Flipkart और Rtcindia.net वेबसाइट से खरीद सकते हैं। 5 अक्टूबर तक इस स्मार्टवॉच को इंट्रोडक्टरी ऑफर के साथ 33,499 रुपये में खरीदा जा सकता है। यह स्मार्टवॉच ब्लैक और गोल्ड दो कलर ऑप्शन में खरीदी जा सकती है। इसकी पीक ब्राइटनेस 1,500 निट्स है। इस वजह से इसे तेज धूप में भी आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। इस वॉच में Always-on Display (AOD) मोड मिलता है, जिससे आप हमेशा समय और जरूरी जानकारी देख सकते हैं। बता दें कि बीपी मापने के लिए इस वॉच में 26mm का मैकेनिकल एयरबैग फीचर भी दिया गया है जो ब्लड प्रेशर मापने में मदद करता है।

मंगलवारा थाने का एसपी ने निरीक्षण कर दिए दिशा-निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साई कृष्णा एस. थोटा ने रविवार को पिपरिया अनुभाग के अंतर्गत थाना मंगलवारा पिपरिया का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने में दर्ज लंबित अपराधों एवं शिकायतों की समीक्षा की तथा सीसीटीवी कैमरों और बंदी लॉकअप की गहन जांच की।निरीक्षण के दौरान एसपी ने निर्देश दिए कि थाने के सभी लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण किया जाए और समंस-वारंट की तामिली में तेजी लाई जाए। साथ ही साफ-सफाई, अभिलेखों के नियमित संधारण और रात्रि गश्त को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने थाना क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए।

खाने के बिल पर विवाद करने वाला जेई निलंबित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

खाने का बिल देने को लेकर विवाद करने वाले बिजली कंपनी के जेई संदीप नामदेव को निलंबित किया गया है।विद्युत वितरण कंपनी के उपमहाप्रबंधक दिनेशसिंह भदौरिया ने बताया बनखेड़ी में पदस्थ सहायक प्रबंधक संदीप कुमार नामदेव ने 2 अक्टूबर 25 को नशे की हालत में ढाबा मालिक एवं ढाबा कर्मचारी के साथ अभ्रदतापूर्ण व्यवहार एवं कंपनी नियमों का उल्लंघन किया। नामदेव को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। सहायक प्रबंधक संदीप कुमार नामदेव का सिवनीमालवा उपसंभाग के अधीन नियत किया गया है। इधर, ढाबा संचालक अजीत परिहार ने बताया जेई संदीप नामदेव के खाने का बिल 3040 रुपए था। जिसे वे नहीं दे रहे थे। इस कारण विवाद हुआ। विवाद करते हुए जेई ने ढाबे के कर्मचारी को चाकू मार दिया था।

24 घंटे में चोरी की वारदात का खुलासा

पुलिस ने पकड़े केबल चोर, चोरी गए बर्तन व लोहे का गेट बरामद

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

थाना माखननगर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए केबल चोरी के मामले का 24 घंटे के भीतर सफल पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की गई केबल बरामद की है।थाना प्रभारी मदनलाल पवार ने बताया कि थाना माखननगर क्षेत्र के ग्राम सांगाखेड़ा कला में 01 अक्टूबर की रात को खेतों में लगे ट्यूबवेल से लगभग 150 फीट केबल चोरी हो गई थी, जिसकी कीमत लगभग 15,000 रुपये बताई गई है। फरियादी दिनेश सैनी ने 4अक्टूबर को थाना में मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले में कार्यवाही करते हुए तीन आरोपियों सुनील, रूपशंकर और बंटी निवासी सांगाखेड़ा कला को 5 अक्टूबर को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने चोरी की पुष्टि की और चोरी की गई केबल अपने घरों में छुपाकर रखने की बात स्वीकार की। पुलिस ने केबल बरामद कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है इस कार्यवाही में थाना माखननगर के निरीक्षक मदनलाल पवार, उपनिरीक्षक अशोक वरबड़े, और अन्य आरक्षकों की अहम भूमिका रही।

वहीं एक दिन पहले उमेश चावरे ने पुरानी तहसील कार्यालय सतरस्ता से लोहे का बड़ा गेट चोरी होने की रिपोर्ट की थी। पुलिस ने पीलीखंती मीनाक्षी चौक निवासी राजकुमार पिता ऋषिराम सराठे और शांति नगर के अरुण पिता रामसेवक सराठे को पकड़ा। दोनों ने लोहे का गेट चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों से गेट बरामद कर लिया है।

पूछताछ में स्वीकारी चोरी की वारदात

कोतवाली पुलिस ने बर्तन और लोहे का गेट चोरी करने के दो मामलों में शातिर चोर को गिरफ्तार किया है फरियादी मुकेश शर्मा ने सेठानी घाट पर दुकान पर तांबे व पीतल के बर्तन चोरी होने की एफआईआर रविवार को की गई थी। मामले में एसडीओपी जितेंद्र पाठक, कोतवाली टीआई कंचन ठाकुर ने बताया तवा पुल देवलाखेड़ी निवासी रामकिशोर (25) पिता रामविलास कीर को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने चोरी करना स्वीकार किया। चोरी किए बर्तन कसेरा बाजार नर्मदापुरम निवासी शुभम (32) पिता चन्द्रशेखर कांसकार को बेचना बताया। कुछ पीतल तांबे के बर्तन उसके पास से ही बरामद किए।

लोगों में फैली दहशत

गुजरखेड़ी इलाके में भालुओं का आतंक, किसान परेशान

पांदुर्णा, दोपहर मेट्रो

तहसील के गुजरखेड़ी इलाके में पिछले दो सप्ताह से तीन भालुओं की मौजूदगी से किसान दहशत में हैं। किसानों ने बताया कि एक वयस्क भालू अपने दो बच्चों के साथ घूम रहा है। इन भालुओं ने खेतों में लगी मूंगफली की फसल को उखाड़कर नुकसान पहुंचाया है। शिकायत के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान भालुओं के पगचिह्न मिलने की पुष्टि हुई।रेंजर प्रभुराम मुछाला ने बताया कि भालुओं की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए खेतों में कैमरे लगाए गए हैं। उन्होंने किसानों से सतर्क रहने की अपील की है ताकि भालुओं के हमले से बचा जा सके। गुजरखेड़ी गांव मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित है, जिसके पास एक घना जंगल है जो वन्य प्राणियों का निवास स्थान है।

खेल मंत्री सारंग खेल महोत्सव में हुए शामिल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शासन के सहकारिता तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मंत्री विश्वास सारंग आज नर्मदापुरम जिले के पिपरिया पहुंचे, जहां वे सांसद खेल महोत्सव 2025 और सांसद मेले में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों और युवाओं से संवाद कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

रविवार को महोत्सव के उद्घाटन की पूर्व संध्या पर मशाल रन का आयोजन किया गया था, जिसमें सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मशाल थामकर खिलाड़ियों के साथ दौड़ लगाई। इस आयोजन से पूरे शहर में उत्साह और खेल भावना का माहौल देखा गया। इसके अलावा, लोक निर्माण विभाग और नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह भी रविवार को सांसद मेले के उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

श्रमदान कर बेतवा नदी से निकाला 10 ट्रॉली कचरा

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

श्रमदान दल द्वारा बेतवा नदी पर लगातार श्रमदान किया जा रहा है। एक ऐतिहासिक स्वच्छता अभियान जिसमें विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संगठनों, राजस्व विभाग एवं नगर पालिका परिषद के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया। श्रमदान दल के आवाहन पर सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के प्रांत गौ-रक्षा प्रमुख नीलेश अग्रवाल, अनुविभागीय अधिकारी तथा तहसीलदार तथा विश्व हिन्दू परिषद-बजरंग दल, व्यापार महासंघ गंजबासौदा, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, फीड बैक फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी के सानिध्य में नगर पालिका परिषद के सदस्यों ने बेतवा नदी स्थित गंज पुल पर एकत्रित होकर श्रमदान किया। संयुक्त प्रयासों का परिणाम यह रहा कि रिपटा घाट से लेकर गंज पुल तक बेतवा नदी की सफाई की गई। नगर में पिछले पाँच वर्षों से निरंतर चल रहे इस अभियान में ग्राम गंज स्थित रिपटा घाट से श्रमदान की शुरुआत हुई। दल के सदस्यों ने घाट और तटों पर फैली पूजा सामग्री, विसर्जित मूर्तियाँ, तेल-शैम्पू पाउच, पॉलिथीन को एकत्र कर सुरक्षित स्थान पर निस्तारित किया। इस दौरान सामाजिक संगठनों के सहयोग से नदी के मध्य तक मानव श्रृंखला बनाकर दुर्गा एवं गणेश प्रतिमाओं के अवशेष और अन्य अपशिष्ट को नदी से बाहर निकाला गया। कुछ ही घंटों में नदी से 10 ट्रॉली से अधिक मात्रा में कचरा और मूर्तियों के अवशेष निकाले गए।

मेट्रो एंकर

छिंदवाड़ा में आयोजित भजन संध्या में गायिका शहनाज अख्तर मीडिया से बोलीं-

झूठे अब्दुल हमारी हिंदू बहन-बेटियों को प्रेम के जाल में फंसा रहे

छिंदवाड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर में भजन गायिका शहनाज अख्तर ने कहा झूठे अब्दुल तिलक लगाकर, कलावा बांधकर हमारी हिंदू बहन-बेटियों को प्रेम के जाल में फंसा रहे हैं। वे पहले धर्म परिवर्तन करवाते हैं, फिर प्रताड़ित करते हैं। कई साहिल ऐसे हैं जो हमारी बेटियों को 35 और 70 टुकड़ों में बांट रहे हैं।

शहनाज अख्तर पोला ग्राउंड में आयोजित भजन संध्या से पहले मीडिया से बात कर रही थीं। उन्होंने कहा कि वह पिछले 15 वर्षों से सनातन धर्म में हैं और अब धर्म प्रचार और उसकी रक्षा को लेकर समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य कर रही हैं। शरद पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर स्टार नवयुवक मंडल की ओर से आयोजित भजन संध्या में हजारों की संख्या में श्रोता शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर पुलिस और यातायात विभाग की टीम पूरे समय मुस्तैद रही। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में भक्ति गीतों की प्रस्तुति के दौरान श्रोतागण मंत्रमुग्ध नजर आए।कार्यक्रम में छिंदवाड़ा सांसद विवेक 'बंटी' साहू, भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव, विजय पांडे, अजय सक्सेना, धर्मेंद्र मिगलानी सहित कई भाजपा नेता, व्यापारी और समाजसेवी मौजूद रहे।

स्वयंसेवकों ने किया कदमताल

सिरोंज । इस वर्ष भी परंपरागत रूप से विजयदशमी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन रविवार को निकाला गया। इस वर्ष संघ अपनी स्थापना के एक सौ वर्ष पूर्ण कर रहा हैं। इस लिहाज से प्रत्येक बस्ती को सक्षम बनाने के लिए बस्तीश अपना अलग संचलन निकाला गया। रविवार को इसी तारतम्य में नगर सिरोंज में तीन बस्तियों के संचलन निकले। केशव बस्ती का संचलन बृज मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल पालीवाल कॉलोनी से निकला।पथ संचलन में बस्ती के सभी स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में कंधे पर दंड लिए कदमताल करते हुए निकले। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ अभिभाषक अमरचंद अग्रवाल एवं मुख्य वक्ता घनश्याम रघुवंशी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक गीत से हुआ। अतिथियों का परिचय, अमृत वचन एकल गीत के पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सद्भाव कार्य प्रमुख घनश्याम रघुवंशी का उद्बोधन हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में श्री रघुवंशी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर संघ की विकास यात्रा एवं उसके संघर्ष के साथ-साथ संघ को सर्वव्यापी सर्वस्पर्शी बनाने पर जोर दिया।

शहर की सड़कों से निकला पथ संचलन

इटारसी। 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है, विजयादशमी के अवसर पर पूरे शहर में बस्ती के अनुसार पथ संचलन निकल गए थे। रविवार को संपूर्ण नगर का सामूहिक पथ संचलन अटल उद्यान गांधी स्टेडियम के सामने से प्रारंभ किया गया। श्री दुर्गा नवग्रह मंदिर समिति के द्वारा पुष्प वर्षा एवं आतिशबाजी कर पथ संचलन का स्वागत किया गया। दुर्गा नवग्रह मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रमोद पगारे,सचिव जितेंद्र अग्रवाल बबलू, उपाध्यक्ष देवेंद्र पटेल, अमित मौर्य, कोषाध्यक्ष दीपक जैन, संगठन मंत्री सुनील दुबे, सुरेंद्र राजपूत, मांगीलाल परिहार, गोपाल विश्वकर्मा पंडित पीयूष पांडे आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पथ संचलन कर निकला संघ

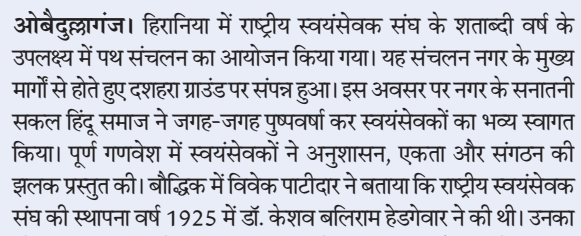

ओबैदुल्लागंज। हिरानिया में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पथ संचलन का आयोजन किया गया। यह संचलन नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए दशहरा ग्राउंड पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर के सनातनी सकल हिंदू समाज ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का भव्य स्वागत किया। पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवकों ने अनुशासन, एकता और संगठन की झलक प्रस्तुत की। बौद्धिक में विवेक पाटीदार ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। उनका उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित कर राष्ट्र को पुनः विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित करना था। उन्होंने कहा कि संघ के प्रचारक संगठन की रीढ़ हैं, जो आजीवन ब्रह्मचर्य, सादगी और समर्पण के साथ समाज सेवा में जुटे रहते हैं।

पथ संचलन पर पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

नर्मदापुरम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर राज्यसभा सांसद माया नारोलिया का नर्मदापुरम स्थित कार्यालय संवाद केंद्र पर पथ संचलन के दौरान ऊधमसिंह बस्ती में पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। सांसद नारोलिया अपने पारिवारिक सदस्यों, पार्टी कार्यकर्ताओं और मोहल्लेवासियों के साथ इस समारोह में उपस्थित रहीं। सांसद श्रीमती नारोलिया ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यह यात्रा अनुशासन, सेवा, सांस्कृतिक जागरण और सामाजिक कल्याण के अविचल संकल्प पर आधारित है। उन्होंने संघ को एक ऐसा संगठन बताया जिसने शताब्दी वर्ष में राष्ट्रभक्ति, चरित्र निर्माण और सर्वांगीण उन्नति का संदेश देते हुए भारत की सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत, मंडल उपाध्यक्ष सचिन तोमर, बूथ अध्यक्ष धर्मेंद्र जाट, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुंदरम अग्रवाल, विशाल दीवान, रोमा नारोलिया समेत महिला मोर्चा की कार्यकर्ता बहनों एवं अन्य पारिवारिक सदस्य भी उपस्थित थे।

मानस चैंपियंस लीग 2025 का साक्षात्कार संपन्न

इटारसी। मानस चैंपियंस लीग 2025 का साक्षात्कार इटारसी में संपन्न हो गया। 72 सफल प्रतियोगियों ने साक्षात्कार दिए। साक्षात्कार में इटारसी के लगभग 94 छात्र छात्राओं को बुलाया गया था, जिसमे 72 ने भाग लिया। जिन्होंने इस प्रतियोगिता में 90 या उससे अभी अंक अर्जित किए थे । इटारसी व उसके आसपास के ग्रामीण स्कूलों के बच्चो का साक्षात्कार मानस चैंपियन लीग का शुभारम्भ इस वर्ष जुलाई माह के प्रथम सप्ताह से शुरू हो चुका था। मानस चैंपियंस मानस चैंपियंस लीग में कई प्रकार के विशेष पुरुस्कारों को प्रतिभागीयो को प्रदान किया जाता रहा है। इस वर्ष प्रथम पुरुस्कार 10000रू द्वितीय पुरस्कार 5000रु व तृतीय पुरस्कार 3000रू रखा गया है,साथ ही तहसीलवार प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार के साथ साथ अन्य सांत्वना पुरस्कारो का वितरण भी किया जाएगा। मानस चैंपियंस लीग का आयोजन ऋषिकुल संस्कृत विद्यालय द्वारा किया जाता हैं प्रतियोगिता समन्वयक डॉ वैभव शर्मा ने यह भी बताया कि मानस चैंपियंस लीग का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को भगवान रामचंद्र के चरित्र चिंतन,मर्यादा, पारिवारिक परंपराओं से अवगत करवाना है।

शरद पूर्णिमा व्रत चंद्र किरणों से भीगे पेड़े और खीर से आएगी सुख और शांति

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

बारिश के सीजन में अब तक जहां अमृत रूपी बारिश से धरती तर होती रही है वहीं आज की रात आसमान से सीधे अमृत वर्षा होगी। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा का चंद्रमा धरती पर अमृत वर्षा करता है, इसे साल की बड़ी पूर्णिमा में भी गिना जाता है, जिसके चलते आज कई श्रद्धालु व्रत पूजन भी करते हैं। शरद पूर्णिमा को लेकर महिलाओं द्वारा विशेष तैयारियां की जा रही हैं, इन महिलाओं का कहना है कि इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का पूजन किया जाता है, जिन्हें विशेष रूप से पेड़े चढ़ाए जाते हैं, वहीं कई घरों में खीर भी बनाई जाती है। बाजार में भी मिठाई दुकानों में विशेष पेड़े तैयार किए गए हैं। इसमें खोवा के साथ ही दूध मलाई से बने पेड़े शामिल हैं रविवार को ही बड़ी मात्रा में इनकी खरीदी की गई है। महिलाओं ने बताया कि घर में तैयार किए गए विशेष पेड़ों को जहां भगवान को अर्पित किया जाता है तो वहीं कुछ पेड़े घर की छत में इस तरह रख दिए जाते हैं ताकि उसमें रात में चंद्रमा की अमृत रूपी किरणें पड़ती रहें, फिर इसे अगली सुबह घर के सभी सदस्य प्रसाद रूप में लेते हैं माना जाता है कि शरद पूर्णिमा की रात को चंद्रमा से अमृत की वर्षा होती है और जब यह छत में रखे पेड़ों या खीर में पड़ती है तो उसमें विशेष औषधि गुण आ जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ बनाने के साथ परिवार में सुख-समृद्धि, शांति भी लाती है।

इस दिन चंद्रमा 16 कलाओं से युक्त रहता है : गोपाल शास्त्री

पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि आश्विन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। इस पूर्णिमा को चंद्रमा पूरा नजर आने से इसे महापूर्णिमा भी कहते हैं चंद्रमा इस दिन 16 कलाओं से युक्त रहता है ये कलाएं मनुष्य के लिए सुख, सिद्धि दायक एवं उन्नति कारक मानी जाती है

भगवान विष्णु को विशेष पेड़ों का भोग लगाएं

शरद ऋतु में मौसम एकदम साफ़ रहता है। इस दिन आकाश में न तो बादल होते हैं और न ही धूल-गुबार आज शरद पूर्णिमा पर व्रत रखकर भगवान विष्णु को विशेष पेड़ों का भोग लगाएंगे

-ज्योति विश्वकर्मा तेन्दूखेड़ा

शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। शरद पूर्णिमा की रात को ही भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के साथ रास रचाया था। वैसे तो हर माह में पूर्णिमा आती है, लेकिन शरद पूर्णिमा का महत्व उन सभी से कहीं अधिक है

- रिचा सोनी तेंदूखेड़ा

हर साल शरद पूर्णिमा पर्व को उत्साह पूर्वक सेलिब्रेट करते हैं। मान्यता अनुसार खीर बनाकर पूजा-अर्चन के बाद आसमान के नीचे रखते है और फिर दूसरे दिन की सुबह भगवान को खीर का भोग अर्पित कर परिवार के साथ प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं पर्व को पंडितों के बताए अनुसार सेलिब्रेट करेंगे।

-अर्चना राय तेन्दूखेड़ा

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक ने किया सागर का दौरा

टारगेट करके ऐसे हालात बनाए जा रहे कि हिन्दू व जैन यहां से पलायन करें: कानूनगो

कानूनगों ने दिए निर्देश, मानव अधिकारों का उल्लंघन हुआ तो नहीं बख्शे जाएंगे अधिकारी

सागर, दोपहर मेट्रो

शहर के शुक्रवारी व शनिचरी क्षेत्रों में हिन्दुओं के पलायन के साथ ही मानव अधिकारों के उल्लंघन हो रहा है। इस तरह की शिकायतें मिलने पर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो सागर पहुंचे। इस दौरान बाल संरक्षण आयोग के सदस्य ओंकार सिंह भी उपस्थित थे।

पुलिस तथा जिला प्रशासन की लचर कार्यप्रणाली के चलते शुक्रवारी व शनीचरी वार्ड में हो रहे पलायन व मानव अधिकारों के उल्लंघन सहित अन्य गंभीर मामलों को लेकर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने सागर पहुंचकर संबंधित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान कानूनगों ने वार्ड वासियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। प्राप्त शिकायतों में यहां पर बिना परमिशन के चल रही मांस की दुकानों, रेस्टोरेंटों, युवतियों और महिलाओं पर छींटाकशी, जानबूझकर हिंदू परिवारों को टारगेट करने सहित अन्य गंभीर शिकायतों को सुनने के बाद उन्होंने तीखे अंदाज में मौके पर उपस्थित जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों की जमकर क्लास लगाई। आलम यह था कि अधिकारी जबाब न दे सकें। इस दौरान कानूनगो ने सख्त निर्देश कि मानव अधिकारों का उल्लंघन हुआ तो अधिकारी बख्शे नहीं जाएंगे।

अवैध मदरसों की जांच करें

प्रियंक कानूनगो ने यहां की मस्जिदों में बाहर से आने वाले व्यक्तियों की जांच करने के साथ अवैध मदरसों की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। यहां पर चल रही अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के निर्देश मौजूद पुलिस अधिकारियों को दिए हैं। राज्य बाल संरक्षण आयोग सदस्य ओंकार सिंह ने कहा कि अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए क्षेत्रवासी लिखित में शिकायत करें, पलायन किसी समस्या का हल नहीं है। अधिकारों के संरक्षण के लिए आयोग काम कर रहा है। इस दौरान भाजपा नेता शैलेष केशरवानी, अर्पित पांडेय, नीरज तिवारी, अभिषेक रजक, प्रशांत जैन, विकास सेन, मदन घोषी, कौशल यादव, शुभम शुक्ला, शिवम पांडेय सहित जिला प्रशासन व पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे।

टारगेट करके रास्ते में, उसके घर में मांस के टुकड़े फेंकना अपराध

पत्रकारों से चर्चा करते हुए कानूनगो ने कहा कि पलायन सांस्कृतिक सभ्यतागत समस्या है,पलायन ऐसे नहीं होता कि चाकू की नोंक पर किसी को घर से निकाला जाए। जब आपके रहने के लिए परिस्थिति ही न बचे तो क्या करेंगे। सोचिए कि कोई हिंदू या जैन मंदिर जाने के लिए घर से निकला है। उसकी धार्मिक आस्था है कि वह मांस का टुकड़ा छूने से अशुद्ध होता है। ऐसे में वह मंदिर नहीं जा पाएगा, जान बूझकर टारगेट करके उसके रास्ते में, उसके घर में मांस के टुकड़े फेंकना, कटे हुए जानवरों के अवशेष फेंकना यह अपराध की श्रेणी में आता है। यह जीवन जीने के अधिकार का उल्लंघन है। मानव अधिकार के गंभीर उल्लंघन की श्रेणी में आता है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान में सभी नागरिक समान

राज्यपाल मंगू भाई पटेल पहुंचे सागर

सागर। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल सागर पहुँचे. ढाना हवाई पट्टी पर केबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत सहित अन्य जन-प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक शैलेन्द्र जैन, प्रदीप लारिया, महापौर संगीता सुशील तिवारी, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, श्याम तिवारी, संभागायुक्त अनिल सुचारी, पुलिस महानिरीक्षक हिमानी खन्ना, डीआईजी सचेंद्र सिंह चौहान, पुलिस अधीक्षक विकास साहवाल, जिपं सीईओ विवेक के. वी. अपर कलेक्टर अविनाश रावत सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। राज्यपाल मंगू भाई पटेल आज जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। राज्यपाल सागर जिले के ग्राम कड़ता रहली के प्रस्तावित भ्रमण पर रहे।

24 साल के इंजीनियर ने अपनाया वैराग्य पथ

अशोकनगर। जब इंसान भक्ति के मार्ग को अपनाता है, तो वह अपने व्यापार रुपया पैसा सभी को भगवान की भक्ति के आगे तुच्छ मान लेता है। ऐसा ही

मामला मध्यप्रदेश के अशोकनगर से सामने आया है जहां सुभाषगंज में मुनि सुधासागर के जिज्ञासा समाधान में देखने एक 24 साल के युवक ने अपनी 54 लाख रुपए के सालाना पैकेज की नौकरी छोड़ वैराग्य पथ अपनाते हुए मुनि सुधासागर से ब्रह्मचारी दीक्षा लेकर घर परिवार त्याग दिया।24 साल के सॉटवेयर इंजीनियर पीयूष जैन ने संसार के मोह-माया, आकर्षण और भविष्य की सुनहरी राह छोड़कर वैराग्य का वरण किया। पीयूष पुणे की एक प्रतिष्ठित कंपनी में कार्यरत थे, जहां उन्हें 54 लाख रुपए सालाना पैकेज मिला था। मुनि सुधासागर ने कहा कि मां के यह आंसू एक दिन खुशी के आंसू बन जाएंगे।

ऐशो-आराम की चाह में करता था चोरी

सीहोर। भैरूंदा पुलिस ने नीलकंठ रोड पर पांच दुकानों के ताले तोड़कर चोरी करने वाले आरोपी धर्मेंद्र नाथ उर्फ कृष्णा (21) को गिरफ्तार किया। आरोपी ने चोरी के 70,000 रुपए में से अधिकांश रकम घूमने-फिरने में उड़ा दी। हालांकि पुलिस ने 4,500 नकद, कपड़े, मोबाइल एक्सेसरीज़ और लोहे की रॉड बरामद करने में सफलता प्राप्त की।

ज्ञात रहे कि सीहोर के नीलकंठ रोड क्षेत्र में 28 से 29 सितंबर की रात लगातार पांच दुकानों में चोरी की घटनाओं से लोगों में दहशत फैल गई। चोरों ने ताले तोड़कर दुकानों से नकदी, कपड़े, मोबाइल एक्सेसरीज और अन्य सामान चुरा ले गए थे। इन दुकानों में नागेंद्र यादव का ऑनलाइन ग्राहक सेवा केंद्र, रघुवीर पंवार की कपड़ों की दुकान, आकाश पंवार व रघुवीर यादव की मोबाइल दुकान और चंद्रशेखर की जनरल स्टोर शामिल थीं। फरियादियों ने बताया कि कुल 70,000 रुपए से अधिक की चोरी होना बताया था।

पथरौटा थाने का एसपी ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम। आज नर्मदापुरम पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा एस थोटा ने इटारसी अनुभाग के पथरौटा थाने का निरीक्षण किया। हालांकि उनका ये निर्धारित कार्यक्रम था।जिसके चलते थाने में सब अपडेट रहा। निरीक्षण के दौरान लंबित अपराधों एवं शिकायतों की समीक्षा की गई तथा सीसीटीवी कैमरों एवं बंदी लॉकअप की गहन जाँच की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि लंबित अपराधों एवं शिकायतों का शीघ्र निराकरण किया जाए,समंस वारंट की तामिली त्वरित रूप से की जाए और रात्रि गश्त को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। पुलिस अधीक्षक ने आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए थाना क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने और कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीओपी इटारसी वीरेंद्र मिश्रा,थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला,पथरौटा थाना प्रभारी संजीव पवार मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक श्री थोटा ने पत्रकारों से चर्चा भी की।

प्रतिमा विसर्जन के दौरान दो युवक करंट से झुलसे, अस्पताल में भर्ती

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

जबलपुर में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए जा रहा एक ट्रक बिजली के तार से टकरा गया। करंट लगने से दो युवकों की वहीं मौत हो गई। वहीं 10 से अधिक लोग गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद वहां भगदड़ मच गई। लोग प्रतिमा छोड़कर इधर-उधर भागे। घटना भीटा गांव में रविवार रात करीब 9 बजे की है। लोग दुर्गा विसर्जन के लिए ट्रक में मां दुर्गा की प्रतिमा को लेकर नर्मदा नदी के गौरीघाट जा रहे थे। वहां मौजूद लोग घायलों को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। मृतकों में चिंटू विश्वकर्मा (24) और अखिलेश पटेल (27) शामिल है। वहीं घायलों में हक्कू पटेल, तारा पटेल(16), बल्लू विश्वकर्मा (50) नितिन पटेल (24), मोहित पटेल (26), कपिल पटेल (28) शामिल है। घटना की जानकारी मिलने पर कैंट विधानसभा से विधायक अशोक रोहाणी अस्पताल पहुंचे। वहीं पुलिस हादसे की वजह की जांच कर रही है।

महाराणा प्रताप कन्या छात्रावास पहुंचे पूर्व गृहमंत्री व खुरई विधायक

बेटियों के साथ किया भोजन और शिक्षा सहित व्यवस्थाओं को लेकर की चर्चा

सागर, दोपहर मेट्रो

पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने महाराणा प्रताप कन्या छात्रावास पहुंचे. उन्होंने छात्रावास में रह रहीं बेटियों से शिक्षा व अन्य सुविधाओं पर चर्चा की साथ ही उनके साथ भोजन किया। उल्लेखनीय है कि सिंह प्रति रविवार स्वयं बेटियों के अभिभावकों की तरह उनकी चिंता करते हुए उन सभी से भेंट करने छात्रावास पहुंचते हैं।

वे इन सभी बेटियों के साथ भोजन करते हैं, भोजन की गुणवत्ता सहित सभी सुविधाओं के विषय में चर्चा करते हैं। अच्छी शिक्षा के साथ संस्कार के लिए सभी बेटियां प्रतिदिन रुद्राक्ष धाम मंदिर पहुंच कर श्री राधाकृष्ण भगवान की आरती में सम्मिलित होती हैं। कन्या छात्रावास में रह रही 40 बेटियों को पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह की ओर से अपने शैक्षणिक संस्थान तक नियमित आवागमन के लिए निःशुल्क बस सुविधा, निःशुल्क भोजन सुविधा, लाइब्रेरी, वाई फाई सुविधा, सीसीटीवी कैमरे, देखरेख के लिए दो महिला वार्डन, तीन सुरक्षा गार्डों की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने छात्राओं से शैक्षणिक व अन्य जरूरतों के विषय में चर्चा की। बेटियों द्वारा दिए गए सुझावों के अनुसार तत्काल पूर्ति के लिए निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि अगले शैक्षणिक सत्र से महाराणा प्रताप कन्या छात्रावास की सीटें दोगुनी यानि लगभग 80 किए जाने के लक्ष्य से काम हो रहा है।

मेट्रो एंकर

बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में सीटी स्कैन एवं एमआरआई मशीन का लोकार्पण

भोपाल, इंदौर जाने की जरूरत नहीं , डॉक्टर ईमानदारी से कार्य करें: राजपूत

सागर, दोपहर मेट्रो

अब सीटी स्कैन एवं एमआरआई की जांच कराने भोपाल या जबलपुर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यह सभी जांचें सागर के बीएमसी (बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज) में होंगी। डॉक्टर ईमानदारी से कार्य करें और पीड़ित व्यक्तियों को बेहतर इलाज मुहैया कराएं। सभी जन-प्रतिनिधियों के साथ हम बीएमसी को और आगे बढाने में हर संभव मदद करेंगे. यह बात खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बीएमसी में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए सीटी स्कैन (160 स्लाइस) एवं एमआरआई (1.5 टेस्ला) मशीनों के लोकार्पण अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कही। राजपूत ने कहा कि मेडिकल कॉलेज की जो पहले छवि थी, उसको बदलने का कार्य डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की लगातार मेहनत और संकल्प से बदली है। सभी डॉक्टर एवं अन्य स्टाफ पूरी ईमानदारी और लगन से पीड़ितों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें समुचित उपचार प्रदान करें। बीएमसी में अन्य सुविधाएं दिलाने के लिए सरकार के माध्यम से इसे और आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होनें कहा कि इन आधुनिक मशीनों का प्रयोग और रख-रखाव इस प्रकार हो कि ये वर्षों तक अपना कार्य करती रहें।

कैथ लैब की स्थापना और कैंसर अस्पताल का भूमिपूजन होगा: जैन

कार्यक्रम में विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि सीटी स्कैन एवं एमआरआई मशीनों के लोकार्पण से बुंदेलखंड की स्वास्थ्य सुविधाओं में एक नया अध्याय लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि बीएमसी में जल्द ही प्राइवेट पार्टनरशिप योजना के माध्यम से कैथ लैब की स्थापना भी की जाएगी और शीघ्र ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा कैंसर अस्पताल का भूमिपूजन होगा। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों के सहयोग एवं बीएमसी के सकारात्मक रवैये से सरकार द्वारा 125 सीटों से बढ़ाकर 150 की गई है, और अब इसे 250 सीटों तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। डीन डॉ. पीएस ठाकुर ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग से बीएमसी निरंतर प्रगति कर रहा है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, डॉ. राजेश जैन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ममता तिमारे, डॉ. पुण्य प्रताप सिंह, डॉ. सौरभ जैन, डॉ. रमेश पांडे, डॉ. सुकृति श्रीवास्तव,डॉ. अजय गंगवानी, डॉ. ब्रजभान अहिरवार, डॉ. प्रदीप चौहान, डॉ. ज्योति चौहान सहित अन्य डॉक्टर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीष जैन ने किया तथा आभार डॉ. राजेश जैन ने माना।

बाबा साहब के अपमान का मतलब संविधान का अपमान है: भूपेंद्र सिंह

सागर, दोपहर मेट्रो

जिले में पिछले 10 दिनों में बाबा साहब की प्रतिमा को खंडित किया गया है। पहले सुरखी क्षेत्र में और अब खुरई क्षेत्र में आरोपियों ने अपराध किया और खुलेआम घूम रहे हैं। यह बात मध्यप्रदेश के मुख्य मंत्री को लिखे पत्र में जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मुहासा नें कही। मुहासा ने कहा कि शासन और प्रशासन को याद रखना चाहिए बाबा साहब अंबेडकर भारत के संबिधान निर्माताओं में शामिल हैं. बाबा साहब के अपमान का मतलब,इस देश के संविधान का अपमान है, भारत की आजादी का अपमान है और संविधान में आस्था रखने वाले हर एक नागरिक का अपमान है। अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से, कलेक्टर सागर को और प्रदेश के गृहमंत्री एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव से आग्रह करना चाहता हूं कि यदि आपसे प्रदेश की कानून व्यवस्था नहीं सम्भल रही,तो आपको अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। भूपेंद्र सिंह मुहासा ने कहा कि यदि एक हफ्ते में दोनों घटनाओं के आरोपी गिरफ्तार नहीं होते तो सागर जिला कांग्रेस कमेटी,संविधान प्रेमी जनता के साथ सड़कों पर उतर कर आंदोलन करेगी।

सीएम को लिखा पत्र -आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग

अजेय भारत का रिकॉर्ड बरकरार, पाकिस्तान चारों खाने चित्त,

भारत की शेरनियों ने बैटिंग के बाद गेंदबाजी में भी दिखाया दम

कोलंबो , एजेंसी

आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के मैच नंबर-6 में रविवार को भारत का सामना चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से हुआ। कोलंबो के आर। प्रेमदासा स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारत ने 88 रनों से शानदार जीत हासिल की। मुकाबले में पाकिस्तान को जीत के लिए 248 रनों का टारगेट मिला था, जिसका वो पीछा नहीं कर पाई। पाकिस्तानी टीम 43 ओवरों में 159 रनों पर सिमट गई। भारत की ओर से तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने तीन विकेट झटके और वो प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं। दीप्ति शर्मा ने भी तीन और स्नेह राणा ने दो विकेट हासिल किए। पाकिस्तान पर भारतीय टीम ने वूमेन्स वनडे में लगातार 12वीं जीत हासिल की है। उसने अब तक एक भी वनडे मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ गंवाया नहीं है। मौजूदा वर्ल्ड कप में भारत की ये लगातार दूसरी जीत रही और वो अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई है। भारतीय टीम ने अपने अभियान का शानदार आगाज करते हुए पहले मुकाबले में श्रीलंका को डीएलएस नियम के तहत 59 रनों से पराजित किया था। भारतीय टीम अब अपने अगले मुकाबले में 9 अक्टूबर को साउथ अफ्रीका का सामना करेगी। टारगेट का पीछा करते हुए पाकिस्तानी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 6 रनों के स्कोर पर मुनीबा अली का विकेट गंवा दिया मुनीबा 2 रनों के निजी स्कोर पर रन आउट हुईं। फिर उसने सदफ शमास (6 रन) और आलिया रियाज (2 रन) का विकेट भी सस्ते में खो दिया। 26 रनों पर तीन विकेट गिरने के बाद सिदरा अमीन और नतालिया परवेज ने चौथे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। क्रांति गौड़ ने नतालिया को आउट करके इस पार्टनरशिप को तोड़ा।

भारत की पारी

ओपनर प्रतिका रावल (31) ने तेज शुरुआत दी, उन्होंने डायना बेग के एक ओवर में लगातार तीन चौके जड़े। हालांकि, स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना (23) एक बार फिर पावरप्ले में आउट हो गईं। एक बार एलबीडब्ल्यू अपील से बचने के बाद कप्तान फातिमा सना की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुईं। रावल भी जल्द ही आउट हो गईं, जब उनके कट शॉट ने ऑफ स्टंप की बेल्स उड़ा दीं। इसके बाद हरलीन देओल (46) ने पारी को संभाला। उन्होंने पहले हरमनप्रीत कौर (19) के साथ 39 रन की साझेदारी की और फिर जेमिमा रॉड्रिग्स (32) के साथ 45 रन जोड़े। हरमनप्रीत अंदरूनी किनारा लगाकर आउट हुईं, जबकि देओल ने संयम से खेलते हुए रन जोड़े, लेकिन अर्धशतक से पहले ही बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में विकेट गंवा बैठीं। जेमिमा को नो-बॉल पर जीवनदान मिला, पर वे भी 32 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद दीप्ति शर्मा (25) और स्नेह राणा (20) ने 42 रन की अहम साझेदारी की, जिसने स्कोर को स्थिरता दी। अंतिम ओवरों में जब पाकिस्तान की गेंदबाजों ने वापसी करते हुए लगातार विकेट चटकाए, तभी ऋचा घोष (35 रन, 20 गेंदों पर) ने ताबड़तोड़ पारी खेली। उन्होंने तीन चौके और दो छक्के जड़े, जिनमें एक शानदार स्वीप शॉट भी शामिल था। पाकिस्तान की ओर से डायना बेग ने चार विकेट लिए, जबकि सादिया इकबाल और कप्तान फातिमा सना ने दो-दो विकेट लिए।

रोहित को कप्तानी से हटाए जाने पर फूटा कैफ का गुस्सा, बोले-

उसने हिंदुस्तान को 16 साल दिए, और हम बतौर कप्तान एक साल भी नहीं दे पाए....

नई दिल्ली , एजेंसी

रोहित शर्मा को वनडे कप्तानी से हटाने के फैसले ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर ने शनिवार को यह चौंकाने वाला फैसला सुनाया कि वनडे टीम की कप्तानी अब शुभमन गिल को सौंपी जाएगी। यह कदम 2027 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखकर उठाया गया है, लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने इसे जल्दबाजी और असंवेदनशील करार दिया है।

कैफ ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर बीसीसीआई और चयनकर्ताओं की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, रोहित शर्मा ने हिंदुस्तान को 16 साल दिए, और हम उन्हें एक साल नहीं दे पाए बतौर कप्तान। 16 आईसीसी इवेंट मैचों में उन्होंने 15 जीते और सिर्फ 2023 वर्ल्ड कप फाइनल ऑस्ट्रेलिया से हारे। कैफ ने रोहित के हालिया प्रदर्शन की भी याद दिलाई। उन्होंने कहा कि रोहित ने 2024 में भारत को ञ्च20 वर्ल्ड कप जिताया और उसके बाद विनम्रता दिखाते हुए कप्तानी छोड़ दी। उन्होंने कहा, चैंपियंस ट्रॉफी का जो आखिरी मैच था दुबई में, प्लेयर ऑफ द मैच थे रोहित शर्मा। वहां उन्होंने भारत को ट्रॉफी जिताई। 2024 टी20 वर्ल्ड कप में भी भारत विजेता बना और वहां ट्रॉफी उनके नाम हुई। उन्होंने बड़प्पन दिखाया कि अब नए खिलाड़ियों को आने दो। कुछ दिन वह सुर्खियों से बाहर रहे और तब किसी और ने कप्तान की। जब वह लौटे, तो उनकी जगह ही खत्म कर दी गई। कैफ के मुताबिक, यह फैसला रोहित जैसे वरिष्ठ खिलाड़ी के साथ अन्याय है, जिन्होंने हमेशा टीम को प्राथमिकता दी।

'रोहित ने खिलाड़ियों को बनाया, संभाला, सिखाया

कैफ ने आगे कहा कि रोहित न सिर्फ कप्तान बल्कि मेंटर की भूमिका भी निभाते रहे। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को तैयार किया, उन्हें आत्मविश्वास दिया और दबाव के समय मार्गदर्शन किया। कैफ ने कहा, रोहित शर्मा ने खिलाड़ियों को बनाया, सिखाया, संभाला, सजाया। दबाव के वक्त उन्होंने हमेशा टीम को आगे रखा। लेकिन जब उन्हें एक साल और कप्तानी देने की बात आई, तो हम वो भी नहीं दे पाए। 2027 वर्ल्ड कप में कप्तानी का मौका उनसे छीन लिया गया। 2027 का जो विश्व कप है, कप्तानी उनको नहीं दी गई। हटा दिए गए। एक साल हम उनको अतिरिक्त नहीं दे पाए। कैफ ने शुभमन गिल की तारीफ की, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि इतनी जल्दी बदलाव टीम के माहौल पर असर डाल सकता है। उन्होंने कहा, शुभमन गिल युवा हैं, प्रतिभाशाली हैं और अच्छे कप्तान बन सकते हैं। लेकिन हर चीज में इतनी जल्दबाजी की क्या जरूरत है? जब तक किसी खिलाड़ी का दौर चल रहा होता है, उसे थोड़ा और समय देना चाहिए। रोहित शर्मा का दौर अभी खत्म नहीं हुआ था।

'अगरकर और गंभीर को भी सोचना चाहिए था'

कैफ ने अपने बयान से बीसीसीआई के साथ-साथ मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर और कोच गौतम गंभीर पर भी सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गंभीर भी इस बदलाव से सहमत थे। क्रिकेट प्रशंसकों और पूर्व खिलाड़ियों के बीच अब बहस छिड़ गई है कि क्या बीसीसीआई ने वाकई सही समय पर यह फैसला लिया या नहीं।

ट्रॉफी भूल जाओ, श्रीकांत ने हर्षित और रेड्डी के चयन पर सवाल खड़े किए

नई दिल्ली। बीसीसीआई के चयनकर्ताओं ने मौजूदा टीम में कई अनुभवी खिलाड़ियों जैसे मोहम्मद शमी, संजू सैमसन, रवींद्र जडेजा को नजरअंदाज किया, लेकिन केकेआर के तेज गेंदबाज हर्षित राणा को टीम में जगह मिली। इस चयन ने एक सवाल उठाया कि क्या चयन सिर्फ प्रदर्शन के आधार पर किया गया या किसी अन्य वजह से। भारत के 1983 वर्ल्ड कप विजेता और पूर्व कप्तान और मुख्य चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अब हर्षित राणा के चयन पर सीधे तौर पर टिप्पणी की है।

श्रीकांत ने अपने चीकी चाका यूट्यूब चैनल पर कहा, सबसे अच्छा यही है कि हर्षित राणा की तरह गंभीर के सामने हमेशा हर बात पर हां कहने और जो कहे वो करने वाला बनो, तभी टीम में चयन हो सकेगा। टीम में केवल एक स्थायी सदस्य है और वह है हर्षित राणा। कोई नहीं जानता कि वह टीम में क्यों है। आप कुछ को उनके प्रदर्शन के बावजूद नहीं चुनते और दूसरों को चुन लेते हैं। इसलिए हर्षित की तरह गंभीर के सामने हमेशा हां करने वाला बनो।

श्रीकांत ने यह भी कहा कि अगर हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल किया जाता है, तो भारत को खिताब जीतने की उम्मीद छोड़ देनी चाहिए। श्रीकांत ने नीतीश रेड्डी के चयन को लेकर भी टीम मैनेजमेंट पर सवाल खड़े किए।

एमएलएस इतिहास में 40 गोल और असिस्ट करने वाले दूसरे खिलाड़ी बने लियोनल मेस्सी

नई दिल्ली । इंटर मियामी ने न्यू इंग्लैंड रिवोल्यूशन पर 4-1 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में भले ही मियामी के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेस्सी कोई गोल नहीं दाग सके, लेकिन वह मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में इस सीजन 40 गोल और असिस्ट करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। इस सीजन लियोनेल मेस्सी ने 41 गोल में असिस्ट किया है। इससे पहले, कार्लोस वेला ने 2019 में लॉस एंजिल्स एफसी के साथ 49 गोल में असिस्ट किया था। लियोनल मेस्सी ने 32वें मिनट में तादेओ अलेंदे को गोल में असिस्ट किया, जिससे स्कोरिंग की शुरुआत हुई। इसके बाद हाफ-टाइम से पहले (45+3) उन्होंने बॉक्स के अंदर एफसी बार्सिलोना के अपने पूर्व साथी जोर्डी अल्बा के साथ मिलकर एक बेहतरीन ड्रिबलिंग की। इस शानदार संयोजन ने मियामी की बढ़त को दोगुना कर दिया।

डोर टर्गेमैन मेहमान टीम के लिए गोल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी रहे, जिन्होंने 59वें मिनट में न्यू इंग्लैंड का खाता खोला। इसके एक मिनट बाद ही मेस्सी के असिस्ट की मदद से अलेंदे ने मुकाबले में अपना दूसरा गोल दागा। मैच के 63वें मिनट कुछ ही देर बाद अल्बा ने भी दो गोल दागकर मियामी को 4-1 से बढ़त दिलाई। मेस्सी के शानदार प्रदर्शन पर हेड कोच जेवियर मासचेरानो ने खुशी जताते हुए कहा, उन्होंने हमें खाता खोलने और फिर जीत दर्ज करने का मौका दिया।

खेल के क्षेत्र में बहुत कुछ किया जाना बाकी: भज्जी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि भारत में खेल के क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किया जाना है। हम अपनी जनसंख्या के मुताबिक खेल के बड़े मंचों पर पदक लाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। हरभजन सिंह ने कहा, मुझे लगता है कि खेलों (एथलेटिक्स) में अभी भी बहुत कुछ किया जा सकता है। बस हमारी जनसंख्या को देखें और फिर उसकी तुलना पदक तालिका से करें। मेरा मानना ??है कि इन आंकड़ों में काफी सुधार हो सकता है। एक समय ऐसा आएगा जब खेल अधिकारियों और सरकार की जिम्मेदारी होगी कि वे खेलों को और भी बढ़ावा दें। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि कोशिशें जारी हैं और हर कोई अपनी भूमिका निभा रहा है, लेकिन अगर ये कोशिशें बढ़ें, तो यह और भी बेहतर होगा। गांवों में कई प्रतिभाशाली बच्चे हैं। अगर उन्हें सही मंच मिले, तो संभावनाओं का दायरा बहुत बड़ा है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

नेहा के गाने एक तो कम जिंदगानी पर झूमी भोजपुरी एक्ट्रेस श्वेता शर्मा

दिखाए नोरा फतेही जैसे डांस मूव्स

सोशल मीडिया में खूब हो रहा वायरल

मुंबई। भोजपुरी इंडस्ट्री में अब डांस और एक्टिंग के अलावा सोशल मीडिया पर भी कलाकारों की खास मौजूदगी देखने को मिलती है। आज के दौर में इंस्टाग्राम फैंस से जुड़ने का एक आसान और मजेदार जरिया बन गया है, जहां कलाकार अपनी जिंदगी के छोटे-छोटे पल, परफॉर्मेंस और खास इवेंट्स की झलकियां फैंस के साथ साझा करते हैं। इस कड़ी में रविवार को भोजपुरी इंडस्ट्री की लोकप्रिय एक्ट्रेस श्वेता शर्मा ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो पोस्ट किया।

पोस्ट ने उनके फैंस के बीच काफी चर्चा बटोरी है। इस वीडियो में श्वेता शर्मा ने अपनी जबरदस्त डांसिंग स्किल्स दिखाते हुए नेहा कक्कड़ के गाने एक तो कम जिंदगानी पर परफॉर्म किया है, जो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है।

श्वेता शर्मा के इस इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने एक इवेंट में अपनी परफॉर्मेंस का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह बड़े ही जोश के साथ डांस करती नजर आ रही हैं। उनका डांस इतना खूबसूरत और दमदार है कि हर कोई उनके वीडियो को दोबारा जरूर देख रहा है। वीडियो में वह नेहा कक्कड़ और यश नारवेकर के गाने एक तो कम जिंदगानी पर नोरा फतेही की स्टाइल में डांस करती दिख रही हैं। अपने शानदार डांस मूव्स से श्वेता ने स्टेज पर धमाल मचा दिया। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है, प्यार दो प्यार लो पर पावर पैक और एनर्जेटिक परफॉर्मेंस। स्टेज पर मजा दिया धमाल। प्योर वाइब्स। ऑडियंस ने भरपूर एन्जॉय किया। बात करते हैं गाने एक तो कम जिंदगानी की, तो इस गाने को नेहा कक्कड़ और यश नारवेकर ने गाया है। वहीं म्यूजिक तनिष्क बागची ने दिया है। यह गाना एक पुराने क्लासिक गीत प्यार दो प्यार लो का रीमिक्स वर्जन है, जो पहले सपना मुखर्जी ने गाया था।बता दें कि हाल ही में श्वेता शर्मा को पवन सिंह के गाने घाघरी के लिए खूब सराहना मिली।

मेट्रो बाजार

अमेरिकी सरकार के शटडाउन के बीच बिटकॉइन की बड़ी छलांग

नई दिल्ली। अमेरिकी सरकार के शटडाउन के बीच, बिटकॉइन की कीमतों में एक बार फिर से तेजी देखी जा रही है और कीमत 1,25,000 डॉलर के पार निकल गई है। बिटकॉइन की कीमतों में बीते आठ सत्रों से बढ़त देखी जा रही है। इसकी वजह बिटकॉइन एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड में इनफ्लो आना है। इससे पहले बिटकॉइन का उच्चतम स्तर 1,24,480 डॉलर था, जो कि अगस्त के मध्य में रिकॉर्ड किया गया है। बिटकॉइन में तेजी की वजह अमेरिकी सरकार की ओर से

क्रिप्टोकरेंसी समर्थित नीतियां, डॉलर का अन्य विदेशी मुद्राओं के खिलाफ कमजोर प्रदर्शन और अमेरिकी सरकार के शटडाउन के कारण अस्थिरता का बढ़ना है, जिससे अमेरिका में सरकारी कामकाज ठप हो गया है। विश्लेषकों का कहना है कि यह तेजी का रुझान बिटकॉइन के हाफिंग इवेंट के बाद के प्रदर्शन के अनुरूप है। आमतौर पर, हाफिंग इवेंट को बिटकॉइन के लिए दीर्घकालिक मूल्य वृद्धि को गति देने वाले उत्प्रेरक के रूप में देखा जाता है, क्योंकि इसमें क्रिप्टोकरेंसी की वॉल्यूम में आधी कटौती की जाती है। डिसइन्फो लैब के अनुसार, अमेरिका पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत कर रहा है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परिवार के वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल और पाकिस्तान में सैन्य-संबंधित फंडों से जुड़े एक क्रिप्टोकरेंसी समझौते पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

सोने का दाम बीते एक हफ्ते में 3,600 से अधिक बढ़ा, चांदी 1.45 लाख के पार

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में बीते हफ्ते बड़ी तेजी देखने को मिली। इस कारण दोनों कीमती धातुओं की कीमत ऑल-टाइम हाई के करीब बनी हुई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 1,16,954 रुपए है, जबकि एक हफ्ते पहले इसी दिन यह 1,13,262 रुपए थी, जो कि सोने की कीमत में 3,692 रुपए की बढ़त को दर्शाता है। 22 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,07,130 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,03,782 रुपए था। वहीं, 18 कैरेट सोने की कीमत 84,974 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 87,716 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। वहीं, समीक्षा अवधि में चांदी की कीमत 7,510 रुपए बढ़कर 1,45,610 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 1,38,100 रुपए प्रति किलो थी। लागातार तेजी के कारण सोने और चांदी के दाम अपने ऑल-टाइम हाई के करीब बने हुए हैं। सोने और चांदी में बढ़त की वजह वैश्विक अस्थिरता माना जा रहा है, जो कि अमेरिकी शटडाउन और टैरिफ के कारण और बढ़ी है। वैश्विक अनिश्चितता के समय सुरक्षित माने जाने के कारण दुनिया भर में सोने और चांदी की मांग बढ़ जाती है और मांग के मुकाबले सीमित आपूर्ति के कारण इनकी कीमतों में इजाफा होता है। दुनिया के बड़े निवेश बैंकों में से एक गोल्डमैन सैश का कहना है कि सोना अगले साल तक 5,000 डॉलर प्रतिशत औंस तक जा सकता है, जो कि फिलहाल 3,900 डॉलर प्रति औंस के आसपास है। 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 40,792 रुपए या 53.55 प्रतिशत बढ़कर 1,16,954 रुपए पर पहुंच गया है।

सिंगर रेणुका पंवार ने तुम तोड़ो न में लगाया हरियाणवी तड़का

मुंबई। हरियाणवी गायिका रेणुका पंवार ने अपनी आवाज से घर-घर में पहचान बनाई है। रविवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना एक बेहद प्यारा वीडियो शेयर किया, जिसमें वे बॉलीवुड के सदाबहार गीत तुम तोड़ो न को हरियाणवी स्टाइल में गाती नजर आ रही हैं। रेणुका की यह नई धुन पुरानी यादों को ताजा कर रही है और हरियाणवी संगीत को एक नया आयाम दे रही है। रेणुका ने इंस्टाग्राम पर यह वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे हरियाणवी वर्जन में तुम तोड़ो न को गा रही हैं। कैप्शन में रेणुका ने लिखा, धन्यवाद हरियाणवी वर्जन को इतना प्यार देने के लिए। इस वीडियो की खास बात यह है कि रेणुका ने तुम तोड़ो न को सिर्फ कवर नहीं किया, बल्कि हरियाणवी संस्कृति का रंग चढ़ा दिया। रेणुका पंवार हरियाणवी संगीत की उभरती हुई कलाकार हैं। उनका सफर 2020 में 52 गज का दामन से शुरू हुआ, जो काफी हिट साबित हुआ था। इसके बाद उनची हवेली, जाऊंगी पानी लेन, और 61-62 छल्लू जैसे गानों ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। हाल ही में उन्होंने श्यानो जी और बन्नो जैसे ट्रैक्स से फैंस को अपने गाने पर थिरकाया है।

उद्धव से मिलने 'मातोश्री' पहुंचे राज ठाकरे, निकाय चुनाव में साथ आने की अटकलें

मुंबई, एजेंसी

शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने रविवार को एक बार फिर मुलाकात की। इसे लेकर सियासी अटकलें लग रही हैं। आगामी मुंबई महानगरपालिका चुनावों के बीच यह मुलाकात अहम मानी जा रही है। लाखों मराठी नागरिकों की इच्छा है कि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक साथ आएं। इन नागरिकों और दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं की इच्छा अब पूरी होने की संभावना है। दरअसल पिछले दो महीनों में राज और उद्धव ठाकरे की यह पांचवीं मुलाकात है।

किस मौके पर हुई मुलाकात?

दरअसल उद्धव ठाकरे की पार्टी के सांसद संजय राउत के पोते का नामकरण समारोह आज मुंबई

भाई मराठी भाषा के मुद्दे पर दोनों भाइयों में बढ़ रही हैं नजदीकियां

के बीकेसी स्थित एक हॉल में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में उद्धव ठाकरे के साथ राज ठाकरे को भी आमंत्रित किया गया था। दोनों ठाकरे भाई इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के बाद राज ठाकरे अपनी पत्नी के साथ उद्धव ठाकरे के आवास 'मातोश्री' गए। वह आधे घंटे से ज्यादा समय तक 'मातोश्री' में रहे। दोनों ठाकरे भाइयों ने लगभग आधे घंटे तक चर्चा की। इसके बाद राज ठाकरे 'मातोश्री' से अपने घर के लिए रवाना हो गए। ठाकरे बंधुओं की यह एक पारिवारिक बैठक थी। लेकिन इस बैठक को राजनीतिक नजरिए से भी देखा जा रहा है।

18 सालों तक रही अनबन

राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच लगभग 18 सालों से अनबन चल रही थी। लेकिन अब शिवसेना पार्टी में फूट के बाद दोनों भाई मराठी भाषा के मुद्दे पर एक साथ आ गए हैं। मराठी के मुद्दे पर दोनों भाइयों की एक संयुक्त बैठक भी हुई थी। इस बैठक में राज ठाकरे ने पूछा था कि क्या वे अब से राजनीति में साथ आएंगे। उन्होंने इस बारे में सार्वजनिक रूप से बात करने से परहेज किया था। लेकिन उद्धव ठाकरे ने कहा था कि हम दोनों भाई आज यहां एक साथ आने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उन्होंने पार्टी के दशहरा मिलन समारोह में भी यही बयान दिया था। इसलिए, चर्चा है कि आने वाले समय में दोनों भाई राजनीति में साथ आएंगे।

नया राजनीतिक समीकरण बनेगा?

ऐसी चर्चा थी कि राज ठाकरे शिवसेना यूबीटी के दशहरा मिलन समारोह में मौजूद रहेंगे। लेकिन ऐसा होते हुए देखना संभव नहीं था। तो राज ठाकरे के मन में आखिर क्या है? यह समझ से परे है। लेकिन अब राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे से फिर मुलाकात की है। इससे पहले राज ठाकरे उद्धव ठाकरे के जन्मदिन पर उन्हें बधाई देने उनके आवास 'मातोश्री' गए थे। उसके बाद गणेशोत्सव के दौरान उद्धव ठाकरे राज ठाकरे के 'शिवतीर्थ' बंगले पर गए थे। दोनों भाई-बहनों के बीच ऐसी मुलाक़ातें जारी हैं। क्या ये मुलाक़ातें आने वाले समय में कोई नया राजनीतिक समीकरण लेकर आएंगी, यह देखना ज़रूरी है।

ऑडिट में मामला उजागर होने के बाद हड़कंप, पुलिस ने दर्ज किया केस

मणप्पुरम बैंक में गोल्ड घोटाला, साढ़े चार करोड़ का असली सोना बदलकर रख दिए नकली जेवर

ग्वालियर, एजेंसी

ग्राहकों का 'सोना' अब बैंक और फाइनेंस कंपनियों के लॉकर में भी सुरक्षित नहीं हैं। ग्वालियर जिले के डबरा में निजी फाइनेंस गोल्ड लोन कंपनी में ग्राहकों के असली सोने को बदलकर नकली सोना रखने का बड़ा घोटाला सामने आया है। 26 ग्राहकों का करीब 4 करोड़ रुपए का सोना बदलकर फर्जीवाड़ा किया गया है। मामला सामने आते ही हड़कंप मच गया है। प्राथमिक सूत्रों के अनुसार शाखा के आंतरिक ऑडिट में करीब 26 ग्राहकों का असली सोना बदला गया है, जिसकी कीमत करीब साढ़े चार करोड़ रुपए तक आंकी गई है। इस शाखा में करीब 11 करोड़ का सोना गिरवी रखा है, जिसमें से करीब 40 फीसदी को नकली से बदल दिया गया है।

जानकारी अनुसार डबरा में मौजूद निजी गोल्ड फाइनेंस कंपनी मणप्पुरम लिमिटेड की शाखा मौजूद है। यहां पर लोग अपना गोल्ड और गोल्ड के जेवर गिरवी रखकर लोन पर पैसा उठाते हैं। शाखा के लॉकर में रखे ग्राहकों के इसी गोल्ड को बदलकर नकली सोने के जेवर रखने का मामला सामने आया है। शुरूआती तौर पर करीब 4 किलो 380 ग्राम के असली सोने के जेवर बदलकर नकली रख दिए गए थे। मामला उस समय उजागर हुआ जब गोल्ड लोन चुकता कर एक ग्राहक गिरवी रखे अपने सोने के जेवर लेने शाखा पहुंचा था। लॉकर से उसका पैकेट लाया गया तो उसमें नकली सोने के जेवर निकले थे।

26 पैकेट्स का सोना बदला

पुलिस सूत्रों के अनुसार बैंक में सोना बदले जाने और नकली सोना रखने की जैसे ही जानकारी सामने आई तो मणप्पुरम फाइनेंस कंपनी ने आंतरिक आडिट कराया, जिसमें लॉकर में रखे 26 पैकेट में असली सोने की जगह नकली सोने के जेवर व गोल्ड निकाला है। मामले में पुलिस जांच कर रही है। बैंक अपने स्तर पर भी जांच करा रहा है।

प्रबंधक सहित स्टाफ पर संदेह

डबरा मणप्पुरम फाइनेंस शाखा में जैसे ही गोल्ड घोटाले की जानकारी सामने आई तो नीचे से उपर तक हड़कप मच गया। कंपनी के एरिया मैनेजर और कपंनी की आंतरिक विजिलेंस के अधिकारी शाखा पहुंच गए। पुलिस में भी शिकायत की गई है। सूत्रों के अनुसार गोल्ड लोन घोटाले में बैंक मैनेजर चंद्रभान कुशवाहा और असिस्टेंट मैनेजर विकास शर्मा पर शक की सूई घूम रही है। कारण इन्हीं के पास लॉकर की चाबियां होती हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है।

पुलिस-ने तलब किया डाटा

डबरा सिटी थाना प्रभारी यशवंत गोयल के अनुसार फणप्पुरम फाइलेंस लिमिटेड कंपनी में ग्राहकों के लोन के बदले रखे गए असली सोने को बदलकर नकली सोना रखने की शिकायत की गई है। कंपनी के अधिकारियों ने ही पुलिस को सूचित किया है। मामले में पड़ताल की जा रही है। कंपनी से पूरा डाटा मांगा गया है। पूछताछ चल रही है।

गोल्ड घोटाले में कंपनी के ही कर्मचारियों के संलिप्त होने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस कांस्टेबल की बेटी हैं क्रांति गौड़

छतरपुर के छोटे गांव की बेटी ने पाक खिलाड़ियों को चटाई धूल

छतरपुर, एजेंसी

पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 3 विकेट लिए और वो प्लेयर ऑफ द मैच भी बनी थीं। यहां तक पहुंचने की क्रांति की यह यात्रा किसी सपने से कम नहीं है।

मुश्किलों में कटा जीवन

क्रांति मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव से आती हैं। उनका गांव छतरपुर के पास घुवारा है। उनके पिता एक रिटायर्ड पुलिस कांस्टेबल हैं। क्रांति ने बहुत संघर्ष किया है। लेकिन अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। क्रांति 6 भाई-बहनों में से एक हैं। उनके पिता एक रिटायर्ड पुलिस कांस्टेबल हैं। कुछ साल पहले उनके पिता को ड्यूटी से सस्पेंड कर दिया गया था।

क्रांति के बचपन के कोच राजीव बिलथरे हैं। राजीव बिलथरे जिला क्रिकेट संघ के सचिव भी हैं। उन्होंने कहा, मैं उसे 2017 से प्रशिक्षित कर रहा हूं। उसके पिता उसे मेरे पास लाए और कहा, वह गांव की लड़कियों के साथ क्रिकेट खेलती है। क्या आप उसे कोचिंग दे सकते हैं? एक अभ्यास मैच में उसे गेंदबाजी करते देखने के बाद मैं प्रभावित हुआ।

मध्य प्रदेश के लिए खेले टूर्नामेंट

क्रांति गौड़ की एक बड़ी ताकत है। वह नियमित रूप से स्टंप्स पर गेंद मारती हैं। क्रांति का उदय बहुत तेजी से हुआ। उन्होंने मध्य प्रदेश के लिए सभी आयु-वर्ग के टूर्नामेंट खेले। पिछले सीजन में उन्होंने मध्य प्रदेश को नेशनल वुमेन चैंपियनशिप का खिताब जिताया। फाइनल मैच बंगाल के खिलाफ था। उन्होंने उस मैच में 4 विकेट लिए थे। इसमें भारत की विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष का विकेट भी शामिल था। क्रांति अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकती हैं। वह एक बहुत ही अनुशासित क्रिकेटर हैं।

वांगचुक की रिहाई की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

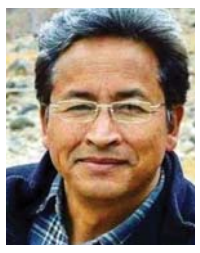

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की एक याचिका पर केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख से जवाब मांगा है। याचिका में वांगचुक की तत्काल रिहाई का अनुरोध किया गया है। मामले की सुनवाई 14 अक्टूबर तक स्थगित कर दी गई है।

सोनम वांगचुक की पत्नी की तरफ से मशहूर वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि किसी भी कम्युनिकेशन का जवाब नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम बस गिरफ्तारी का आधार जानना चाहते हैं। सरकार की ओर से एसजी तुषार मेहता ने दलीलें रखीं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सोनम की पत्नी को हिरासत आदेश की कॉपी सोनम वांगचुक की पत्नी को देने का आदेश दिया। इसके साथ ही वांगचुक को जोधपुर जेल में मेडिकल सुविधा देने का निर्देश भी दिया।

गांधीवादी आंदोलन को बदनाम करने की साजिश

वांगचुक की पत्नी की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि वांगचुक के पाकिस्तान-चीन लिंक का झूठा प्रचार इस गांधीवादी आंदोलन को बदनाम करने की साजिश है। सोनम वांगचुक और उनके सहयोगियों के खिलाफ एक झूठा और खतरनाक नैरेटिव फैलाया जा रहा है, जिससे उनके गांधीवादी आंदोलन को पाकिस्तान और चीन से जोड़कर बदनाम किया जा सके। याचिका में दावा किया गया है कि वास्तव में वांगचुक हमेशा राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए काम करते रहे हैं और भारतीय सेना की मदद के लिए ऊंचाई वाले इलाकों में शेल्टर जैसी नई-नई तकनीकें विकसित की हैं।

त्योहारी सीजन में सस्ती उड़ानों का तोहफा!

एयरलाइन कंपनियां चलाएंगी अतिरिक्त उड़ानें

नई दिल्ली, एजेंसी

दीपावली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान हवाई किराए में बढ़ोतरी को लेकर यात्रियों को चिंता सताने लगी है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि एयरलाइन कंपनियां प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त उड़ानों की व्यवस्था करेंगी, ताकि त्योहारों के दौरान हवाई किराए में बढ़ोतरी को रोका जा सके। हवाई किराए की निगरानी और अनावश्यक बढ़ोतरी पर रोक लगाना डीजीसीए की जिम्मेदारी है। अक्टूबर से दिसंबर के बीच भारत में यात्रा का पीक सीजन रहता है, जिससे कई रूट्स पर भारी भीड़ और टिकटों की कीमतों में उछाल देखा जाता है।

एयरलाइनों ने अतिरिक्त उड़ानें शुरू करने का वादा किया है, ताकि त्योहारी सीजन में यात्रियों को सस्ती यात्रा उपलब्ध कराई जा सके। आंकड़ों के अनुसार, इंडिगो 42 सेक्टरों में लगभग 730 अतिरिक्त उड़ानें, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस 20 सेक्टरों में 486 अतिरिक्त उड़ानें, जबकि स्पाइस जेट 38 सेक्टरों में 546 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी. इससे त्योहारों में बढ़ने वाले किराए को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी और यात्रियों को सामान्य किराए पर यात्रा करने का मौका मिलेगा।

त्योहारों में हवाई किराए में बढ़ोत्तरी

भारत में त्योहारी सीजन के दौरान लोग अपने परिवारों के साथ त्योहार मनाने के लिए बड़े पैमाने पर यात्रा करते हैं। दीपावली और छठ जैसे पर्वों के समय यात्रा की मांग कई गुना बढ़ जाती है। मांग अधिक और उड़ानों की संख्या सीमित होने के कारण टिकटों की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। इस साल डीजीसीए और एयरलाइनों की संयुक्त पहल से उम्मीद है कि यात्रियों को महंगे टिकटों से राहत मिलेगी और वे सामान्य किराए पर यात्रा कर सकेंगे।

2.5 किलो हेरोइन और 5 पिस्टल के साथ पंजाब में दो तस्कर गिरफ्तार

तरनतारन, एजेंसी

पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने सीमा पार से हथियार और नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया। इस मामले में तरनतारन के दो निवासियों गुरजंत सिंह और गुरवेल सिंह को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से 2.5 किलो हेरोइन और 5 आधुनिक पिस्टल बरामद की गई हैं। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपियों ने पाकिस्तान स्थित तस्कर के निर्देशों पर काम करते हुए पंजाब में तस्करी करने की कोशिश की। बरामद किए गए हथियारों को पंजाब के अपराधियों और गैंगस्टरों को सप्लाई किया जाना था, जिससे यहां की आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाता।

पाकिस्तान के साथ कनेक्शन

पंजाब पुलिस के सोशल सिक्योरिटी ऑपरेशन सेंटर (एसएसओसी) अमृतसर ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। पंजाब पुलिस ने इस सफल ऑपरेशन के बाद नशा-आतंकवाद और संगठित अपराध के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। पुलिस ने कहा है कि राज्य में ऐसे अपराधी नेटवर्क को पूरी तरह खत्म करने के लिए वह लगातार काम कर रही है।

मेट्रो एंकर चार महीने की लंबी यातना के बाद भारत लौटी महिला ने बयान की खौफनाक दास्तान

अच्छी जिंदगी का सपना लेकर गई ओमान, मिली नर्क की जिंदगी

चंड़ीगढ़, एजेंसी

पंजाब के जालंधर की एक महिला ने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को ठीक करने के ओमान जाने का फैसला किया। महिला अमृतसर-मुंबई होकर ओमान के लिए रवाना हुई लेकिन मस्कट पहुंचते ही महिला को एहसास हो गया कि वह फंस गई है। महिला ने मस्कट में कई महीनों तक बंधक रहने के बाद अब पूरी आपबीती साझा की है। महिला को मस्कट में शारीरिक और मानसिक तौर पर यातनाएं झेलनी पड़ीं। महिला ने लौटने के बाद चौंकानेवाला का खुलासा किया है। महिला के अनुसार उसे वहां जिस बिल्डिंग में रखा गया था। वहां पर कई और भारतीय महिलाएं भी बंद थी।

छोटी-छोटी गलती पर मारपीट

जानकारी के एक अनुसार पंजाब के जालंधर की एक महिला ने इसी साल 15 जून को ओमान जाने के लिए अमृतसर से उड़ान भरी थी। मुंबई होकर जब वह मस्कट पहुंची तो उसे वहां उतरे ही अहसास हो गया कि वह फंस गई है। महिला ने ओमान जाने का फैसला अपने परिवार की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए लिया था। महिला का कहना है कि उसे एक कार्यालय जैसी इमारत में रखा गया था जहां 10 से ज्यादा अन्य भारतीय लड़कियों को भी ऐसी ही परिस्थितियों में रखा गया था। महिलाओं को दिन में 12 घंटे तक काम करने के लिए मजबूर किया जाता था। छोटी-छोटी गलतियों पर पीटा जाता था। इतना ही नहीं अक्सर खाने से भी वंचित रखा जाता था। महिला ने बताया कि पूरे एक महीने तक मैं सिर्फ पानी पर जिंदा रही।

पासपोर्ट-मोबाइल किया जब्त

महिला के अनुसार उसे चार महीने तक नर्क जैसी जिंदगी जीनी पड़ी। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही महिला का पासपोर्ट और मोबाइल फ़ोन जब्त कर लिया गया। महिला का कहना है कि एजेंटों ने सब कुछ छीन लिया। हमारे साथ जानवरों से भी बदतर सलूक किया गया। महिला के अनुसार तस्कर भारतीय महिलाओं को विदेश में अच्छी नौकरी और अच्छी तनख्वाह का वादा करके फुसलाते हैं। जब महिलाएं अपने गंतव्य पर पहुंचती हैं। जब उनके वीजा की अवधि समाप्त हो जाती है, तो हकीकत सामने आती है।

महिलाओं से कराते हैं गलत काम

महिला के अनुसार इसके उन्हें अनैतिक गतिविधियों में धकेला जाता है। भारी रकम देने के लिए मजबूर किया जाता है। या फिर उसी नेटवर्क में और महिलाओं को लाने के लिए दबाव डाला जाता है। महिला ने बताया कि मैं भी एक दोस्त के जरिए फंस गई थी जिसने मुझे यकीन दिलाया था कि यह एक अच्छा मौका है। महिला के अनुसार विरोध करने वाली लड़कियों के साथ हिंसा की जाती थी। कई को तब तक पीटा जाता था जब तक वे बेहोश नहीं हो जातीं। वे बेचारी लड़कियों की लाचारी का फायदा उठाते थे।

बांग्लादेश ने हिल्सा मछली को बचाने समुद्र में उतारे 17 जंगी युद्धपोत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपने समुद्री क्षेत्र में 17 वॉरशिप और गश्ती हेलीकॉप्टर्स तैनात कर दिए हैं। जो मछुआरों की घुसपैठ को रोकने के लिए 24 घंटों निगरानी कर रहे हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने ये फैसला बहुमूल्य मछली प्रजाति हिल्सा को उसके प्रजनन काल के दौरान अवैध रूप से पकड़े जाने से बचाने के लिए लिया है। दरअसल हिल्सा मछली हर साल अंडे देने के लिए बंगाल की खाड़ी से नदियों में लौटती है। हेरिंग जैसी दिखने वाली हिल्सा बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली है। इस मछली को भारत के पश्चिम बंगाल के लोग खाने में काफी पसंद करते हैं। बांग्लादेश आर्मी के अधिकारियों ने बताया है कि उन्होंने हिल्सा के प्रजनन क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए 4 से 25 अक्टूबर तक मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564